इंदौर, शुक्रवार 06 मार्च 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 110
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

भाजपा में दोहरी नियुक्तियों पर सवाल

पेज-2

संदीपा ने 'दो दीवाने सहर' में की तारीफ

पेज-5

भागीरथपुरा दूषित पानी कांड में साजिश

पेज-6

हो सकती है मोहन कैबिनेट की 'सर्जरी'

दो सीनियर मंत्रियों के बाहर होने की अटकलें!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● बिहार में अचानक से सत्ता के समीकरण बदल गए हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यसभा जा रहे हैं। अब उनकी जगह कौन लेगा, इसे लेकर माथापच्ची का दौर शुरू हो गया है। बिहार में घटित सियासी घटनाक्रम के बीच मध्य प्रदेश में भी मंत्रिमंडल में विस्तार और फेरबदल की सुगबुगाट शुरू हो गई है। साथ ही अटकलें हैं कि मोहन कैबिनेट का भी केंद्रीय नेतृत्व सर्जरी कर सकती है। अगर ऐसा हुआ तो कुछ सीनियर मंत्रियों की छुट्टी हो सकती है।

दरअसल, सरकार और कुछ सीनियर मंत्रियों के बीच अनबन की खबरें आते रहती हैं। बीते दिनों दिल्ली जाकर सीएम मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की थी। इसके बाद सीएम मोहन यादव ने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। सीएम के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने मोहन कैबिनेट के सीनियर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और प्रहलाद सिंह पटेल से भी मिले।

तमाम मुद्दों पर की बात

अटकलें हैं कि एमपी में सरकार और बीजेपी के अंदर जो कुछ भी चल रहा है। शाह ने उन मुद्दों पर तीनों नेताओं के साथ विस्तार से बात की है। शायद यही वजह रही है कि वह सभी से अलग-अलग समय पर अकेले में मिले हैं। चर्चाएं है कि सीनियर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और प्रहलाद सिंह पटेल मोहन कैबिनेट में खुद को असहज महसूस करते हैं। ऐसे कई घटनाक्रम भी हुए हैं, जिससे यह साफ हो रहा है कि सब कुछ ठीक नहीं है।

दोनों मंत्रिमंडल से हो सकते हैं बाहर-इन तमाम घटनाक्रमों के बीच यह चर्चा चल रही है कि दोनों सीनियर मंत्री शायद कैबिनेट से बाहर हो सकते हैं। दोनों को संगठन में बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। अभी कई राज्यों में चुनाव भी होने हैं। कैलाश विजयवर्गीय की अच्छी पकड़ भी संगठन है। इसके साथ ही प्रहलाद सिंह पटेल ने भी केंद्र की ही राजनीति की है। उन्हें भी फिर से संगठन में मौका मिल सकता है।

कब और कितना? नवरात्र के आसपास संभावित। 4-5 नए मंत्री शामिल हो सकते हैं। वर्तमान में 4 पद खाली हैं।

रणनीति क्या है? 2028 विधानसभा चुनाव से पहले क्षेत्रीय और सामाजिक संतुलन साधने का प्रयास।

दिल्ली में हलचल सीएम मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष की आलाकमान (अमित शाह) से बैठकों के बाद अटकलें तेज।

रेस में कौन? गोपाल भार्गव (9 बार के विधायक), मालिनी गौड़, बृजेंद्र सिंह यादव, और आदिवासी कोटे से वरिष्ठ नेता चर्चा में।

बदलाव और प्रदर्शन नॉन-परफॉर्मिंग मंत्रियों को बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है। "सीनियर बनाम जूनियर" की खींचतान की चर्चा।

निगम-मंडलों में भी नियुक्तियां बड़े पैमाने पर फेरबदल तय। विनोद गोटिया, आशुतोष तिवारी जैसे नाम दौड़ में।

हालांकि यह चर्चा लंबे समय से चल रही है कि एमपी में मोहन कैबिनेट में फेर बदल हो सकता है। कुछ मंत्रियों की छुट्टी उनके परफॉर्मेंस के आधार पर भी हो सकती है। इसके साथ ही निगम-मंडलों में भी नियुक्तियां होनी है। ऐसे में जल्द ही एमपी में भी बदलाव देखने को मिल सकता है।

अमेरिका ने भारत को दी रूस से सस्ता तेल खरीदने की स्पेशल परमिशन

नई दिल्ली। भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने का संकट फिलहाल खत्म हो गया है, क्योंकि भारत को रूस से सस्ते दाम में कच्चा तेल खरीदने की छूट मिल गई है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने भारतीय रिफाइनरियों को 30 दिन का स्पेशल लाइसेंस देने का ऐलान किया है। ये लाइसेंस 3 अप्रैल तक वैलिड रहेगा। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने शुक्रवार को घोषणा की कि राष्ट्रपति ट्रम्प के ऊर्जा एजेंडे के तहत यह अस्थायी कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका का एक एसेंशियल पार्टनर हैं और ग्लोबल मार्केट में तेल की सप्लाई को स्थिर रखने के लिए यह छूट दी गई है। बेसेंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'ईरान वैश्विक ऊर्जा बाजार को बंधक बनाने की कोशिश कर रहा है। इस दबाव को कम करने के लिए हम भारत को यह 30 दिनों की छूट दे रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

- मुंबई में अनिल अंबानी और रिलायंस पावर से जुड़ी कंपनियों के 12 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी
- आज महाराष्ट्र का बजट पेश किया जाएगा
- राहुल गांधी आज दो दिन के दौरे पर केरल जाएंगे
- दिल्ली के एलजी बदले, तरनजीत सिंह संधू को मिली कमान, लद्दाख भेजे गए वीके सक्सेना
- आर एन रवि पश्चिम बंगाल के नए गवर्नर, लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (रिटायर्ड) बिहार के गवर्नर बनाए गए
- नागपुर बारूद फैक्ट्री ब्लास्ट में मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 20, आज सुबह एक और महिला की मौत
- अब तक 30 से ज्यादा ईरानी जहाजों को डुबोया, अमेरिका का दावा
- इजरायल ने नवंबर में खामेनेई को मारने का किया था फैसला, इजरायली रक्षा मंत्री का खुलासा
- तेहरान में ईरानी बुनियादी ढांचे पर इजरायली सेना ने बड़े पैमाने पर शुरू किए हमले
- नेपाल इलेक्शन : बालेन शाह की पार्टी को जबरदस्त बढ़त, 50 सीटों पर गिनती जारी
- हिज्बुल्लाह पर इजरायल ने शुरू किए नए हमले

रंगपंचमी की तैयारी... पहली बार होगी ऑनलाइन बुकिंग, बढ़ी बैठक क्षमता

छतों पर बैठकर गेर का लुत्फ उठा सके

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● होली के बाद रंगपंचमी मनाने की परंपरा इंदौर में ही होती है और इस दिन निकलने वाली गेर को देखने के लिए प्रदेश ही नहीं देश-विदेश से भी लोग आते है। अब इसे और बड़ा स्वरूप देने के लिए बाहर से आए लोगों को छतों पर बैठकर गेर का नजारा दिखाने की तैयारी प्रशासन कर रहे है। अब तक 100 लोगों का पूल तैयार हो गया है।

छतों पर पर्यटकों को बैठाने की-रंगपंचमी की गेर देखने और खेलने के लिए विदेशी पर्यन तरह की व्यवस्थाएं की हैं। इंदौर में गेर देखने के लि राजबाडा तक की बिल्डिगों की छत पर बैठने की व्यवस् संपर्क कर बैठने की व्यवस्था की जा रही है। इसके ऑ बार 200 लोगों को बैठाने की कोशिश है। इसके लिए बुकिंग का प्रयास किया जा रहा है।

एमवाय अस्पताल परिसर के स्टाफ क्वार्टर तोड़े जाएंगे

नई 1450 बेड बिल्डिंग के लिए जमीन खाली कराने के नोटिस जारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● सरकारी एमवाय अस्पताल परिसर में बने पुराने स्टाफ क्वार्टर जल्द तोड़े जाएंगे। केईएच कंपाउंड, दवा बाजार के सामने स्थित इन क्वार्टरों की जमीन का उपयोग एमवाय अस्पताल की नई 1450 बेड क्षमता वाली बिल्डिंग के निर्माण के लिए किया जाना है।

एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया ने 2 मार्च को यहां रहने वाले कर्मचारियों को नोटिस जारी किए हैं। नोटिस में सभी क्वार्टरों के आवंटन तत्काल प्रभाव से निरस्त करते हुए उन्हें खाली करने के निर्देश दिए गए हैं। अस्पताल परिसर में करीब 40 स्टाफ क्वार्टर बने हुए हैं। इन क्वार्टरों को काफी समय पहले जर्जर स्थिति के कारण कंडम घोषित किया जा चुका है, इसके बावजूद इनमें स्टाफ रह रहा है। नई अस्पताल बिल्डिंग के साथ परिसर में मिनी ऑडिटोरियम, नर्सिंग हॉस्टल और मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण भी प्रस्तावित है। करीब पांच साल पहले इसी परिसर के 50 से अधिक स्टाफ क्वार्टर खाली कराकर उन्हें ध्वस्त किया गया था। अब शेष जमीन खाली होने के बाद नए निर्माण कार्य को आगे बढ़ाया जाएगा।

मेयर फंड पर 'सरकार' का ब्रेक

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्य प्रदेश में अगले साल नगर निगम के चुनाव होने हैं। इससे पहले मेयर फंड पर 'सरकार' ने ब्रेक लगाया है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने सभी कमिश्नर को लेटर लिख साफ कहा है कि वार्षिक बजट में महापौर निधि के संबंध में कोई प्रावधान नहीं है। इसलिए अबकी बार बजट बनाते समय नियमों का ध्यान रखें। आदेश के बाद भोपाल, इंदौर जैसे बड़े निगम के महापौर पर भी असर पड़ेगा। भोपाल में पिछले साल बजट में जल, प्रॉपर्टी और ठोस एवं अपशिष्ट पर टैक्स को बढ़ाते हुए जनता पर बोझ डाला गया था तो दूसरी तरफ जनप्रतिनिधि यानी, पार्षद, एमआईसी मेंबर, अध्यक्ष और महापौर की सालाना निधि दोगुनी कर दी गई थी।

लेटर में लिखा- बजट प्रस्ताव में महापौर निधि का प्रावधान नहीं-विभाग के उप सचिव प्रमोद कुमार शुक्ला ने यह आदेश जारी किया है। जिसमें लिखा कि नगर पालिक निगमों द्वारा अपने बजट में महापौर निधि का प्रावधान किया जाता है। मध्य प्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 के अध्याय 7 नगर पालिक निधि के प्रावधान वर्णित है। जिसमें वित्तीय वर्ष में निगम की प्रास्तियों एवं आय का अनुमान पत्रक (बजट प्रस्ताव) में महापौर निधि के संबंध में कोई प्रावधान नहीं है। इसके तहत बजट तैयार करते समय मध्य प्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 एवं मध्य प्रदेश नगर पालिक निगम (लेखा एवं वित्त) नियम 2018 में दिए गए प्रावधान के अनुसार ही कार्रवाई की जाए।

नगर निगम में जनप्रतिनिधियों की अलग-अलग निधि-भोपाल में महापौर के अलावा अध्यक्ष, एमआईसी मेंबर, पार्षद और जोन अध्यक्ष की भी निधि है। पिछले बजट में यह दोगुनी कर दी गई थी। जैसे महापौर की 5 की जगह 10 करोड़ रुपए की गई थी। वहीं, अध्यक्ष की 5 करोड़, एमआईसी मेंबर की 1 करोड़ रुपए, पार्षद की 50 लाख रुपए और जोन अध्यक्ष की 10 लाख रुपए निधि रही।

इंदौर मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि नगर निगम के बजट में से महापौर निधि की राशि हमें ही तय करनी होती है। पिछली बार सालभर के लिए यह राशि 10 करोड़ रुपए निर्धारित की गई थी। ग्वालियर में वर्तमान में महापौर निधि 6 करोड़ रुपए है। यहां नगर निगम का बजट 28 फरवरी को पेश हो चुका है, जिसमें महापौर निधि को बढ़ाकर 10 करोड़ रुपए करने का प्रस्ताव रखा गया है। वहीं, जबलपुर नगर निगम में महापौर निधि के रूप में सालाना 10 करोड़ रुपए निर्धारित हैं। भोपाल में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए नगर निगम का 3600 करोड़ रुपए से ज्यादा का बजट पेश हुआ था।

इंतजार दस प्रदेशों में हो रहे रास चुनाव के बाद सामने आएंगे नए समीकरण

राष्ट्रीय टीम में बढ़ सकता है प्रदेश का दबदबा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● भाजपा संगठन की राष्ट्रीय टीम में मध्य प्रदेश के कई चेहरे दिखाई दे सकते हैं। नितिन नबीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद से ही भाजपा के नेताओं के बीच उनकी नई टीम को लेकर प्रदेश से आने वाले चेहरों को लेकर अटकलों का दौर चल पड़ा है। माना जा रहा है कि बिहार, छत्तीसगढ़ समेत दस राज्यों में 16 मार्च को होने वाले राज्यसभा चुनाव के बाद नबीन की नई टीम सामने आ सकती है। इसे लेकर केन्द्रीयस्तर पर मंथन शुरू हो गया है। गौरतलब है कि मप्र को राष्ट्रीय संगठन में पूर्व से ही खासा महत्व मिलता रहा है। वर्तमान में मध्य प्रदेश से सत्यनारायण जटिया, संसदीय बोर्ड सदस्य, ओम प्रकाश धुर्वे, राष्ट्रीय सचिव और लाल सिंह आर्य, राष्ट्रीय अध्यक्ष, एससी मोर्चा जैसे नेता राष्ट्रीय स्तर पर जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। पार्टी 2029 के लोकसभा चुनाव और संगठन की मजबूती को ध्यान में रखकर अनुभवी नेताओं के साथ-साथ युवा और महिला चेहरों को भी वरीयता दे सकती है। इस बार भी चार से पांच नेताओं को नितिन नवीन की टीम में स्थान मिलने की संभावना है। इसमें एक या दो महिलाएं भी हो सकती हैं। इसके साथ ही युवा नेताओं को भी अवसर मिल सकता है। बाकी अन्य को मोर्चा-प्रकोष्ठ में शामिल किया जा सकता है। दरअसल, मप्र हमेशा से ही भाजपा के लिए एक प्रयोगशाला की तरह रहा है। हिंदू महासभा हो या जनसंघ, दोनों की जड़ें प्रदेश में मजबूत रही हैं। यही कारण है कि भाजपा यहां लंबे समय से सत्ता में है। संगठन की मजबूती की दूसरी वजह यहां के कुशल संगठनकर्ता भी माने जा सकते हैं जिनकी वजह से राष्ट्रीय संगठन के स्तर पर भी यहां के भाजपा कार्यकर्ताओं का दबदबा रहा है।

नड्डा की टीम में शामिल थे चार नेता

पूर्व अध्यक्ष जेपी नड्डा की टीम में मध्य प्रदेश से कैलाश विजयवर्गीय सहित चार नेताओं को स्थान मिला था। उस दौरान कैलाश विजयवर्गीय राष्ट्रीय महासचिव थे। बाद में वर्ष 2023 में पार्टी ने उन्हें विधानसभा चुनाव का टिकट दिया और इसके बाद वह राज्य में मंत्री बना दिए गए। पार्टी नेताओं का मानना है कि चूंकि पूर्व में राष्ट्रीय संगठन में एक ही समय में मध्य प्रदेश से दो-दो महासचिव थावरचंद गहलोत और नरेंद्र सिंह तोमर रहे हैं। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि नितिन नवीन की टीम में भी मध्य प्रदेश का प्रभाव बढ़ सकता है।

सियासत का अनोखा संयोग : एमवीए से 'दादा' तो महायुति से 'पोता' पहुंचेगा राज्यसभा

मुंबई (एजेंसी) ● महाराष्ट्र से राज्यसभा चुनाव में शरद पवार और उनके पोते पार्थ पवार एक साथ संसद पहुंचने की संभावना है। पार्थ पवार की मां सुनेत्रा पवार अभी भी राज्यसभा सदस्य हैं, जिससे परिवार के 4 सदस्य संसद में हो सकते हैंमहाराष्ट्र में सात राज्यसभा सीटों पर चुनाव होने हैं, जिसमें महायुति और एमवीए के बीच मुकाबला होगा।

राज्यसभा चुनाव में इस बार महाराष्ट्र से दिलचस्प नजारा दिखने वाला है। राज्य के प्रभावशाली पवार परिवार के दो सदस्य एक ही साथ राज्यसभा पहुंचने की तैयारी में हैं। वरिष्ठ नेता शरद पवार और उनके भतीजे दिवंगत अजित पवार के बेटे पार्थ पवार प्रतिद्वंद्वी खेमों से चुनाव मैदान में हैं। दोनों का ही जीतना लगभग तय लग रहा है। ऐसे में ये पहला मौका होगा, जब शरद पवार और उनके पोते पार्थ एकसाथ संसद में होंगे। उम्र के अंतर के लिहाज से भी पहली और तीसरी पीढ़ी के दोनों नेता एक दिलचस्प पारिवारिक अध्याय लिखेंगे।

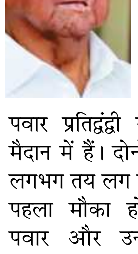

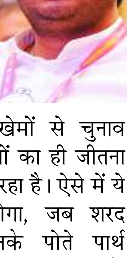

एक ही परिवार के 4 सदस्य संसद में?

दिलचस्प बात यह है कि पार्थ की मां सुनेत्रा पवार अभी तक राज्यसभा की सदस्य हैं क्योंकि उन्होंने अभी तक इस्तीफा नहीं दिया है। शरद पवार और पार्थ पवार के राज्यसभा पहुंचने से ये अनोखा रिकॉर्ड होगा, जब एक ही परिवार के 4 सदस्य संसद में होंगे, अगर सुनेत्रा ने इस्तीफा नहीं दिया तो। शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले पहले से लोकसभा सांसद हैं। पार्थ के पिता और शरद पवार के भतीजे अजित पवार के 28 जनवरी को बारामती में विमान दुर्घटना में निधन के बाद सुनेत्रा महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री और एनसीपी अध्यक्ष का पद संभाल रही हैं।

भाजपा में दोहरी नियुक्तियों पर सवाल : शहर में एक कार्यकर्ता एक पद का फार्मूला बेअसर, कई को दो-दो पदों पर बैठाया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल द्वारा पद संभालने के बाद हर मंच से 'सबका साथ, सबका विकास' के साथ ही 'एक कार्यकर्ता-एक पद' का फार्मूला लागू करने की बात कही गई थी। शहर संगठन में हुई नियुक्तियों को लेकर यह फार्मूला सवालों के घेरे में है। कई ऐसे उदाहरण सामने आए हैं, जहां एक ही व्यक्ति दो पदों पर आसीन है या हाल ही में उसे अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई है।

भाजपा संगठन की पूर्व की नियुक्तियों में पहले से पार्षद रहे महेश बसवाल को अनुसूचित जाति मोर्चा में सह मीडिया प्रभारी बनाया गया है। वहीं पार्षद कंचन गिदवानी को नगर कार्यकारिणी में नगर मंत्री का दायित्व दिया गया है। ऐसे कई और उदाहरणों की चर्चा संगठन के भीतर चल रही है, जिससे 'एक कार्यकर्ता-एक पद' का सिद्धांत व्यवहार में कमजोर पड़ता दिख रहा है।

सूत्रों के हवाले से यह भी चर्चा है कि नगर महिला मोर्चा अध्यक्ष पद के लिए पार्षद संध्या यादव के नाम की पैरवी खुद सांसद शंकर लालवानी द्वारा की जा रही है। बताया जा रहा है कि वे पहले से एक पद पर आसीन हैं तो उनका नाम दूसरे पद के लिए क्यों आगे बढ़ाया जा रहा है। हालांकि इस संबंध में आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन संगठन के भीतर इसे लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। वहीं इस प्रकार के घटनाक्रमों के बीच पार्टी के जमीनी कार्यकर्ताओं में असंतोष की भावना पनपती दिखाई दे रही है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि नियुक्तियों को लेकर जब वह दिल्ली और भोपाल संपर्क करते हैं तो उन्हें जिला स्तर से नाम आगे बढ़ाने की बात कही जाती है, जबकि बड़े नेताओं के प्रभाव से कुछ चुनिंदा लोगों को दोहरी जिम्मेदारियां मिल जाती हैं।

इससे लंबे समय से संगठन के लिए काम कर रहे कार्यकर्ताओं के मनोबल पर असर पड़ता है। हाल ही में किसान मोर्चा की नियुक्तियों को लेकर भी संगठन की अनदेखी और चहेतों को तरजीह देने के आरोप लगे हैं। अब निगाहें प्रदेश नेतृत्व पर टिकी हैं कि प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल अपने 'एक कार्यकर्ता-एक पद' के फार्मूले को सख्ती से लागू कराने की दिशा में कब ठोस कदम उठाते हैं।

न्यूज ब्रीफ

सड़क दुर्घटना संबंधित कैशलेस उपचार योजना को लेकर आज होगी बैठक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रधानमंत्री राहत योजना के तहत सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को कैशलेस उपचार उपलब्ध कराने की व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए शुक्रवार 6 मार्च 2026 को दोपहर 4 बजे कलेक्टर कार्यालय के कक्ष क्रमांक 210 में एक आवश्यक बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर श्री शिवम वर्मा करेंगे। बैठक में जिले के समस्त शासकीय एवं निजी चिकित्सालयों तथा मेडिकल कॉलेजों के संचालक एवं प्रबंधक उपस्थित रहेंगे। साथ ही पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में शामिल होकर योजना से संबंधित आवश्यक जानकारी और प्रक्रिया के बारे में अवगत कराएंगे। सभी चिकित्सालयों के संचालक और प्रबंधकों से कहा गया है कि वे अपने आयुष्मान मित्र के साथ बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर आवश्यक जानकारी प्रस्तुत करें, ताकि योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

जिले की 55 कंपोजिट मदिरा दुकानों के लिए ई-टेंडर आमंत्रित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● वित्तीय वर्ष 2026-27 की सम्पूर्ण अवधि अर्थात (दिनांक 01 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक की अवधि) के लिए इंदौर जिले के कुल 56 मदिरा एकल समूहों में सम्मिलित 173 कम्पोजिट मदिरा दुकानों में से 18 मदिरा समूह (जिनका वार्षिक मूल्य रूपयें 7,85,12,23,135/-) क्रमशः एम.आर.-9, चंद्रगुप्त मौर्य चौराहा (एमआर.-10), द्वारकापुरी, राऊ, कनाडिया बायपास चौराहा, मांगलिया, खण्डवा नाका, ड्रीमलैण्ड चौराहा, महू, पलसीकर कालोनी, तेजाजी नगर चौराहा, अंजनी नगर, चिमनबाग, देपालपुर, रेवती, छावनी, कंपेल, जवाहर मार्ग, रंगवासा (तह. देपालपुर) में सम्मिलित 55 कंपोजिट मदिरा दुकानों का निष्पादन बैच-3 प्रथम चरण में ई-टेण्डर (ई-टेण्डर एवं ई-टेण्डर कम ऑक्शन) के माध्यम से निष्पादन हेतु विज्ञप्ति जारी की गई है।

डायवर्शन टैक्स जमा नहीं करने पर रुव ?मणि मोटर का गोदाम सील

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में इंदौर जिले में राजस्व वसूली के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत आज अनुविभागीय अधिकारी कनाडिया के निर्देशानुसार तहसील कनाडिया अंतर्गत डायवर्शन टैक्स की बकाया राशि वसूलने हेतु कार्रवाई की गई। रुक्मणि मोटर द्वारा लगभग 6 लाख रुपये का डायवर्शन टैक्स कई बार सूचना देने के बावजूद जमा नहीं किया गया था। इस पर प्रशासन द्वारा विधि अनुसार कार्रवाई करते हुए रुक्मणि मोटर के गोदाम को सील किया गया। यह कार्रवाई तहसीलदार संगीता गोलिया, नायब तहसीलदार पूजा नागवंशी, राजस्व निरीक्षक विशाल शर्मा, तेजसिंह तथा पटवारी योगेश भार्गव और पुष्पेंद्र जादौन की संयुक्त टीम द्वारा की गई।

बुजुर्गों को करायी जाएगी कामाख्या देवी की नि:शुल्क तीर्थ यात्रा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर जिले के बुजुर्गों को मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत प्रसिद्ध तीर्थ कामाख्या देवी की नि:शुल्क यात्रा करायी जाएगी। यात्रा के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। चयनित बुजुर्गों की यात्रा का सभी खर्च राज्य शासन द्वारा वहन किया जाएगा। यात्रा के लिए 16 मार्च तक स्थानीय निकाय में आवेदन जमा किए जा सकते हैं। तीर्थ यात्रियों की विशेष ट्रेन कामाख्या देवी तीर्थ के लिए 29 मार्च रविवार को इंदौर से रवाना होगी तथा यह ट्रेन 03 अप्रैल को वापस आएगी। इस तीर्थ यात्रा से कुल 279 बुजुर्ग लाभान्वित होंगे।

आधी अधूरी अतिक्रमण की कार्यवाही से आम जनता में आक्रोश

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● **दैनिक इंदौर संकेत**

नगर में आए दिन हो रहे ट्रैफिक जाम को लेकर नगर परिषद देपालपुर के अधिकारियों ने अतिक्रमण की कार्यवाही शुरू की थी नगर के कहीं व्यापारियों ने अपने चद्दर सेट अतिक्रमण हटा लिया था। यह कार्यवाही इंदौर रोड से लेकर तहसील रोड तक की गई थी, लेकिन कार्यवाही केवल एक दिखावा साबित हुई। किसी ने चद्दर निकले किसी ने नहीं निकले आधी अधूरी कार्यवाही को लेकर आम जनता में भारी आक्रोश है, नाम नहीं छापने की शर्त पर नगर के प्रतिष्ठित व्यापारी ने बताया कि अतिक्रमण की जो कार्यवाही हुई है। वह भेदभावपूर्ण की गई किसी ने अपनी दुकान से बोर्ड हटाए किसी ने चद्दर हटाए लेकिन बहुत से लोग ऐसे हैं। जिन्होंने अतिक्रमण कर रखा है और अभी तक उन्हें हटाया नहीं है। यह देपालपुर की आम जनता के साथ दोहरा रवैया हैं अतिक्रमण को लेकर कार्यवाही होना चाहिए, लेकिन एक समान एक जैसी कार्यवाही की जानी चाहिए देखा जाए तो नगर में कही जगह अतिक्रमण बना हुआ है। बहुत से मकान ऐसे हैं जिन्होंने नाली के बाहर तक कब्जा कर रखा है। वहां विशेष ध्यान देने की नगर परिषद का

आवश्यकता है हम कार्यवाही में बाधा नहीं डाल रहे हैं लेकिन हमारा उद्देश्य एक ही है नगर परिषद द्वारा नगर में जो भी कार्यवाही कि जानी वह सभी के लिए एक समान की जानी चाहिए।

देपालपुर नगर में पहली प्राथमिकता पर अतिक्रमण हटाना चाहिए था जिसके एक नहीं अनेक फायदे हैं सबसे बड़ा फायदा ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर है जो नगर में आए दिन बड़ी समस्या पैदा करता है बेटमा रोड से लेकर इंदौर नाके तक आए दिन ट्रैफिक जाम रहता है। कभी-कभी तो एंबुलेंस भी इस जाम का शिकार हो जाती है, कही बार देखने में आया स्कूल बस भी आधे आधे घंटे तक जाम में फंसी रहती है अतिक्रमण हटाने का यह अहम कदम नगर को और अधिक सुंदर बनाएगा।

देपालपुर को स्वच्छता में नंबर वन बनाने के लिए इंदौर नगर निगम ने गोद लिया है जिसको लेकर लगातार नगर में सफाई अभियान चल रहा है नगर निगम इंदौर कंधे से कंधा मिलाकर देपालपुर नगर परिषद का साथ दे रहा है जिसमें सबसे पहले आवारा पशु मुक्त देपालपुर हुआ है कहीं होटल के व्यापारियों ने चाय के डिस्पोजल का उपयोग करना बंद कर दिया डिस्पोजल बंद को लेकर महापौर पुष्पमित्र भार्गव ने देपालपुर में अपील की थी आप सभी मिलकर हमारा साथ दे हमारा सहयोग करें हम देपालपुर को 100 दिन में नंबर वन बनाने का पूरा प्रयास करेंगे।

नगर परिषद की कार्यवाही को जनता ने अच्छी पहल बताया कहा गया है कि अधिक अतिक्रमण के कारण नगर की सुंदरता आए दिन खत्म हो रही थी ट्रैफिक का नगर में बहुत दबाव था सड़क किनारे लगी दुकान सबसे ज्यादा समस्या पैदा कर रही थी इसी प्रकार अगर नगर परिषद नगर में काम करती रही तो निश्चित तौर पर देपालपुर नगर स्वच्छ और सुंदर बन जाएगा।

गंदगी देख नाराज हुए निगमायुक्त

दो दरोगा का 7-7 दिन का वेतन काटा, सहायक दरोगा को हटाया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने गुरुवार को झोन क्रमांक 2, 13 और 18 के इलाकों का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। कई स्थानों पर सफाई व्यवस्था खराब मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई और संबंधित कर्मचारियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। दो दरोगाओं का 7-7 दिन का वेतन काटने और एक सहायक दरोगा को हटाने के निर्देश दिए गए हैं।

वार्ड 68 में सफाई खराब मिलने पर कार्रवाई-निगमायुक्त सबसे पहले झोन क्रमांक 2 के वार्ड क्रमांक 68 पहुंचे। यहां उन्होंने सिलावटपुरा और बंबई बाजार क्षेत्र में सफाई व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। सफाई कार्य संतोषजनक नहीं मिलने पर उन्होंने सीएसआई और क्षेत्रीय दरोगा को फटकार लगाई। वार्ड 68 के सहायक दरोगा विवेक धौलपुरे को हटाने और दरोगा मनीष पथरोड का 7 दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। साथ ही झोन 2 के सीएसआई के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए गए।

मैकेनिक नगर और विष्णुपुरी क्षेत्र में कर्मचारियों की अनुपस्थिति

इसके बाद निगमायुक्त झोन क्रमांक 13 के वार्ड 74 के मैकेनिक नगर, विष्णुपुरी और

मां अहिल्या उद्यान पहुंचे। यहां उन्होंने स्वच्छता व्यवस्था और गार्डन में री-यूज पानी के कनेक्शन को लेकर रहवासियों से चर्चा की। निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों की अनुपस्थिति मिलने पर क्षेत्रीय सीएसआई अभिषेक तिवारी को हाजिरी रजिस्टर जांचने और अनुपस्थित कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए।

कोहिनूर कॉलोनी और आजाद नगर में दरोगा को फटकार

निगमायुक्त ने झोन क्रमांक 18 के वार्ड क्रमांक 53 में कोहिनूर कॉलोनी, आजाद नगर और आसपास के क्षेत्रों का भी निरीक्षण किया। यहां कचरे के पॉइंट बनने और सफाई व्यवस्था ठीक नहीं मिलने पर वार्ड दरोगा प्रवीण खरे को फटकार लगाई। साथ ही उनका 7 दिन का वेतन काटने के लिए अपर आयुक्त को निर्देश दिए।

महू क्षेत्र में संचालित आलू चिप्स कारखानों की सघन जांच

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशानुसार गुरूवार को जिला प्रशासन की टीम द्वारा डॉ. अम्बेडकर नगर महू के ग्राम कोदरिया, नेउगुराडिया, आम्बाचन्दन और सांतेर में संचालित आलू चिप्स कारखानों की जाँच की गई । जाँच दल में मध्यप्रदेश प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड के संजय जैन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गिरीराज दुबे, तहसीलदार विवेक सोनी, मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल के धाकड, राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी उपस्थित थे। जाँच का नेतृत्व अनुविभागीय अधिकारी राजस्व डॉ. अम्बेडकर नगर महू राकेश परमार द्वारा किया गया। जाँच दल द्वारा उक्त ग्रामों में स्थित आलू चिप्स कारखानों की गहन जाँच की गई, जिसमें मौके पर आलू चिप्स कारखानों की अनुमति प्राप्त नहीं होने पर विद्युत कनेक्शन का विच्छेद किया गया। साथ ही आलू चिप्स कारखानों में अनियमितता पाए जाने पर कारखानों को तत्काल प्रभाव से बंद कराया गया। आगामी कार्यवाही प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा की जायेगी।

महिला दिवस 8 मार्च को 'अधिकार, न्याय और कार्यवाही' की थीम पर होंगे विशेष कार्यक्रम

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं और बालिकाओं के अधिकारों, सुरक्षा और न्याय तक उनकी सुलभ पहुँच को सुगम बनाने के लिये 'अधिकार, न्याय, कार्यवाही - महिलाओं और बालिकाओं के लिए' थीम पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन स्वर्ण जयंती सभागार में किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया करेंगी। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, न्याय प्राप्ति की प्रक्रिया को सरल और सुलभ बनाना तथा समाज में सुरक्षा और सम्मान का वातावरण मजबूत करना है। कार्यक्रम में विभिन्न विषयों पर संवाद और जागरूकता सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें घरेलू हिंसा कानून की जानकारी, न्याय चौपाल के माध्यम से कानूनी सहायता के मॉडल, मानसिक स्वास्थ्य और सायबर सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल रहेंगे। कार्यक्रम में सामाजिक संस्थाओं द्वारा अपने अनुभव और सफल पहल साझा की जाएंगी, ताकि महिलाओं के अधिकारों की रक्षा और उनके सशक्तिकरण के लिए प्रभावी मॉडल सामने आ सकें।

पाटनी और गोधा के बीच सीधा मुकाबला

दिलीप पाटनी

आनंद गोधा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के चुनाव 15 मार्च को प्रस्तावित हैं। 3 नाम वापसी से अब सीधा मुकाबला दिलीप पाटनी और आनंद गोधा के बीच है। अब मुआबकला युवा बनाम अनुभवी हो गया है। पूर्व न्यायधीश और मुख्य निर्वाचन अधिकारी नरेंद्र कुमार जैन ने बताया कि प्रत्याशी सुशील पांड्या, बाहुबली जैन, और आशीष जैन की नाम वापसी के बाद दिलीप पाटनी और आनंद गोधा दो ही उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। 15 मार्च को उदासीन आश्रम में चुनाव होंगे। मीडिया प्रभारी राजेश जैन 'दददु' ने बताया कि कुल 7 नामांकन भरे गए थे। जिसमें 2 नाम त्रुटिपूर्ण फॉर्म होने से प्रिंसपाल टोंग्या और योगेश जैन के खारिज हो गए थे। 5 प्रत्याशी मैदान में थे, लेकिन आज सुशील पाण्ड्या, बाहुबली जैन और आशीष जैन 3 नाम वापसी के बाद अब मुक़ाबला 69 वर्षीय दिलीप पाटनी और 55 वर्षीय आनंद गोधा के बीच है।

विश्व मोटापा दिवस पर नि :शुल्क योग कार्यशाला सम्पन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विश्व मोटापा दिवस के अवसर पर निशा जोशी योग अकादमी , इंदौर के तत्वावधान में 'योग द्वारा मोटापा प्रबंधन एवं स्वस्थ जीवनशैली' विषय पर एक भव्य नि:शुल्क योग कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इसे ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से संपन्न किया गया। इस अवसर पर ऑफलाइन एवं ऑनलाइन मिलाकर सैकड़ों की संख्या में प्रतिभागी जुड़े। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रसिद्ध योग विशेषज्ञ, भगवद्गीता जीवन प्रबंधन वक्ता एवं शोधकर्ता डॉ. निशा जोशी रहीं। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि मोटापा केवल शरीर में बढ़ी हुई चर्बी का नाम नहीं है, बल्कि यह असंतुलित जीवनशैली, अनुचित आहार, मानसिक तनाव और हार्मोनल असंतुलन का परिणाम है। उन्होंने योगासन, प्राणायाम, संतुलित दिनचर्या और मानसिक अनुशासन के माध्यम से मोटापा प्रबंधन के वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक उपायों को विस्तार से समझाया। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुए कहा कि योग को केवल व्यायाम के रूप में नहीं, बल्कि एक समग्र जीवन पद्धति के रूप में अपनाना आवश्यक है। कार्यशाला में योगी राघवेन्द्र शर्मा ने 'आहार द्वारा जीवनशैली प्रबंधन' विषय पर प्रकाश डालते हुए बताया कि संतुलित और सात्त्विक आहार स्वस्थ जीवन की आधारशिला है। उन्होंने समयानुकूल भोजन, मात्रा नियंत्रण और प्राकृतिक खाद्य पदार्थों के सेवन के महत्व को रेखांकित किया। वहीं योगी सुनील लोधी ने 'मोटापा क्या है, उसके लक्षण एवं कारण' विषय पर विस्तार से जानकारी दी ।

जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर इंदौर जिले में चलाये जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत वर्ष 2025-2026 के दौरान अब तक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल हुई है। इस अभियान के तहत जल संरक्षण और जल संवर्धन के कार्यों को राष्ट्रीय स्तर पर सराहना प्राप्त हुई है। आज केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की विशेष उपस्थिति में वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित प्रदेश स्तरीय समीक्षा बैठक में इंदौर जिले में हुए कार्यों को सराहा गया। बैठक में ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल सहित राज्य स्तर के वरिष्ठ अधिकारी और प्रदेश के सभी जिलों के कलेक्टर्स शामिल हुए।

दिगंबर जैन समाज भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याण 30 मार्च को मनाएगा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर दिगंबर जैन समाज भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याण महोत्सव सोमवार, 30 मार्च को मनाएगा। सभी आचार्य भगवंतो ने बताया कि भगवान महावीर स्वामी का जन्म चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी को हुआ था और इस वर्ष यह तिथि 30 मार्च है । दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि आज 5 मार्च को प्रात: 7:30 बजे सामाजिक संसद के अध्यक्ष विनय बाकलीवाल, महामंत्री देवेंद्र सोगानी, मुख्य समन्वयक डी के जैन, संगठन महामंत्री जैनेश झांझरी के नेतृत्व में 50 सदस्यों का दल गोकुलपुर पहुंचा।

इंदौर जिले में एचपीवी टीकाकरण अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● संपूर्ण प्रदेश के साथ ही इंदौर जिले में भी एच.पी.वी. टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। इस टीकाकरण का उद्देश्य महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर से बचाव करना है, जो भारत में स्तन कैंसर के बाद कैंसर का दूसरा सबसे बड़ा रुप है। 99 प्रतिशत सर्वाइकल कैंसर एच.पी.वी. वायरस के कारण होते हैं। यह टीका उन किशोरियों को लगाया जाएगा जिनकी उम्र 14 वर्ष पूरी हो चुकी है। जिन किशोरियों ने अपना 14वां जन्मदिन मना लिया है, लेकिन 15वां जन्मदिन पूरा नहीं हुआ है, वे पात्र हैं। एक सिंगल डोज वैक्सीन प्रभावी मानी जाती है। यह टीका किशोरियों को पूर्णत: नि:शुल्क लगाया जाएगा, इसके एक डोज का अनुमानित मूल्य लगभग 4000/- से 5000/- रुपये के मध्य है। यू-वीन पोर्टल पर टीकाकरण का पंजीकरण किया जाएगा, यू-वीन पोर्टल के माध्यम से ही प्रमाण पत्र जेनरेट होगा, लाभार्थी यू-वीन पोर्टल पर सेल्फ-रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं, वैक्सीनेशन सेंटर पर ऑन-द-स्पॉट रजिस्ट्रेशन भी उपलब्ध है। हितग्राही अपना स्लॉट यू-वीन पोर्टल पर बुक कर सकते हैं। (लिंक- https://uwinselfregistration.mohfw.gov.in/login) नाम, आयु एवं यू-वीन पोर्टल पर स्लॉट बुक करने के लिए आधार कार्ड, जन्म प्रमाण-पत्र, अपार आई डी, स्टूडेंट फोटो आई.डी., पासपोर्ट, एम.सी.पी. कार्ड, टी.सी., पेन आई.डी., राशन कार्ड फोटो सहित, आरफनेज डेट ऑफ बर्थ डिक्लेरिएशन फार्म, बैंक पासबुक, डिक्लेरिएशन फार्म मान्य होंगे।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, शुक्रवार 06 मार्च 2026

न्यूज ब्रीफ

समाजवादी समागम में सपा नेता रामबाबू अग्रवाल राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बने

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के दिल्ली में सम्पन्न हुए शिविर के पश्चात समाजवादी समागम ने अपनी संगठनात्मक शक्ति को बढाने के उद्देश्य से प्रो. आनंद कुमार को समाजवादी समागम का राष्ट्रीय अध्यक्ष और इंदौर के सपा नेता रामबाबू अग्रवाल को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. अनिल ठाकुर ने बताया कि इस बार राष्ट्रीय कार्यकारिणी में असम से अभिनव बोरबोरा, उत्तराखंड से जसपाल दुग्गल, कर्नाटक से अली बाबा, केरल से रेजिनर्क, महाराष्ट से संजय मंगला गोपाल तथा ओड़िसा से प्रफुल्ल सामंतरा जैसे युवाओं को जोड़ा गया है। हैदराबाद के पूर्व न्यायाधीश गोपाल जी. एवं इंदौर के सपा नेता रामबाबू अग्रवाल को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाए जाने से दक्षिण भारत और मध्य भारत में समाजवादी समागम के विस्तार को नई दिशा और मजबूती प्राप्त होगी। इसी तरह चन्द्रशेखर जी. जन्म शताब्दी से जुड़े प्रो. राजुमार जैन को संयोजक नियुक्त किया गया है। अपने कार्यक्रमों के माध्यम से संगठन के विस्तार, विचार प्रचार और नेतृत्व निर्माण की नई संभावनाएं नजर आएंगी। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामबाबू अग्रवाल ने इंदौर लौटकर कहा कि अब नए साथियों को जोड़कर नई उर्जोर नए उत्साह के साथ समाजवादी विचार प्रवाह और उसके प्रभाव को लम्बे समय तक सुरक्षित रखने में हम सबकी भूमिका सुनिश्चित होगी।

अग्रवाल महासंघ के मिलन समारोह में समाज के वरिष्ठजन हुए टेपाश्री उपाधि से अलंकृत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●अन्नपूर्णा क्षेत्र अग्रवाल महासंघ का होली मिलन समारोह एवं फाग महोत्सव विज्ञान नगर स्थित नवनीत गार्डन पर धूमधाम से मनाया गया, जिसमें समाज के 3 वरिष्ठजनों, ओमप्रकाश रेतवाले, महेश गोयल एवं शिव गर्ग को टेपाश्री की उपाधि से अलंकृत किया गया। फूलों और रंग गुलाल की वर्षा के बीच समाज बंधुओं ने जमकर एक दूसरे को रंग लगाकर शुभकामनाएँ सौंपी। देर रात तक भजनों पर थिरकने का दौर भी चलता रहा। समाजसेवी राजेंद्र गर्ग समर्पण के आतिथ्य में दीप प्रज्वलन एवं चित्र पूजन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। महासंघ के संरक्षक किशोर गोयल, अध्यक्ष संजय गोयनका, मंत्री विष्णु गोयल एवं संयोजक पिंकेश मोदी ने बताया कि इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित समाज बंधुओं ने अनेक रंगारंग स्पर्धाओं में शामिल होकर एक दूसरे को रंगों के त्यौहार की बधाइयाँ व्यक्त की। अतिथियों का स्वागत प्रतीक गोयल, गुंजन गुप्ता, अभिषेक सोनथलिया, अजय अग्रवाल, दिनेश गर्ग, प्रहलाद गर्ग आदि ने किया।

मप्र में साल-दर-साल बढ़ रहा मौत का आंकड़ा, प्रदेश में एक साल में 69 हजार श्रमिकों की मौत

भोपाल (एजेंसी) ● वर्ष 2025 में मप्र के 69 हजार असंगठित श्रमिकों की मौत ने शासन की नींद उड़ा दी है। हैरानी यह है कि मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना में पंजीकृत इन असंगठित श्रमिकों में सभी की उम्र 60 साल से कम है और 90% मौतें सामान्य रजिस्टर्ड हुई हैं। ये संख्या वर्ष 2024 से 12 हजार और 2023 से 21 हजार ज्यादा है। पहली बार श्रम विभाग इसके कारणों को तलाशने जा रहा है। ऐसी मौतों पर हर साल करीब 1200 से 1500 करोड़ के करीब मुआवजा बंट रहा है। संबल योजना में पंजीकृत श्रमिकों की सामान्य मौत पर दो लाख रु. और दुर्घटना में मौत पर 4 लाख रु. दिए जाते हैं। 2024-25

के आंकड़े बता रहे हैं कि 57 हजार तो सामान्य मौतें हैं, जिनकी उम्र 18 से 60 वर्ष के बीच है। इन्हें 1140 करोड़ रुपए मुआवजा दिया गया है। दुर्घटना में 5800 मौतें बताई गई हैं, जिन पर 232 करोड़ रु. मुआवजा बंटा है।

2023 में प्रदेश में 48 हजार और 2024 में 50 हजार श्रमिकों की मौत दर्ज हुई थी। 2025 में संख्या बढ़कर 69 हजार तक पहुंच गई है। श्रम विभाग के सचिव रघुराज माधव राजेंद्रन ने 2 फरवरी को सभी कलेक्टरों को पत्र लिखकर निर्देश दिए हैं कि कार्य करने की स्थिति में हो रही मौतों के कारणों की समीक्षा की जाए। विभाग का कहना है कि प्रदेश में वर्तमान में औसत आयु करीब 67 वर्ष है, जबकि कामकाजी आयु 60 वर्ष तक मानी जाती है।

- मजदूरों के बीपी, शुगर और कार्डियक रिस्क के साथ तमाम तरह की जांच की जाएगी।
- श्रम विभाग का स्वास्थ्य, पुलिस, परिवहन और स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय बनाया जाएगा।
- कार्यस्थल पर हेलमेट, सेफ्टी बेल्ट, ग्लव्स, मास्क और सुरक्षा के दूसरे उपायों को सख्ती से लागू किया जाएगा। इसकी नियमित निगरानी होगी।
- इंडस्ट्री एरिया, निर्माण स्थल, ईंट-भट्टों के पास, कारखाने के नजदीक और कृषि क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर लगाएं जाएंगे।
- ये शामिल... 42 क्षेत्रों में करीब दो करोड़ असंगठित मजदूर... 91 लाख से अधिक महिलाएं
- कारपेंटर, पेंटर, मिस्त्री, इलेक्ट्रीशियन, फिटर, वेंडर, प्लंबर, मैकेनिक, डामर का काम करने वाले, डेम, भवन व रोड बनाने में लगे श्रमिक समेत 42 ऐसे सेक्टर हैं जिनमें श्रमिक काम करते हैं। मप्र में अब तक 2 करोड़ से अधिक (लगभग 2,07,36,299) असंगठित श्रमिक अपना पंजीकरण करा चुके हैं। इनमें 1.16 करोड़ से अधिक पुरुष और 91 लाख से ज्यादा महिलाएं शामिल हैं।

जांगड़ा पोरवाल समाज द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●जांगड़ा पोरवाल पंचायती सभा, इंदौर द्वारा तीन दिवसीय होली महोत्सव मनाया गया जिसमे 1 मार्च को फाग उत्सव 2 मार्च को होलिका दहन तथा 4 मार्च को होली मिलन समाहरो मनाया गया उत्सव समिति के अरुण पोरवाल ने बताया की श्री जांगड़ा पोरवाल समाज परिसर, श्री नृसिंह मंदिर (श्री राम मंदिर), छत्रीबाग, इंदौर में आयोजित होली मिलन और सम्मान समारोह में 4000 समाजजन शामिल हुवे । इस अवसर पर अध्यक्ष रामदयाल फरक्या सचिव अशोक मेहता, सुभाष धनोतिया, श्याम राणापुर कृष्णकांत मजावदिया, हेमलता जी प्रियंका गुप्ता, सतोष मेहता, अमित मेहता प्रमुख रूप से शामिल रहे ।

32वां साईं बाबा महोत्सव शुरू, फुगड़ी और झांज-मंजीरे की थाप पर नाच उठे साईं भक्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर के साईं भक्तों के बहुप्रतीक्षित साईं बाबा महोत्सव-2026 का शुभारंभ केन्द्रीय साईं सेवा समिति के तत्वावधान में गत सोमवार से हो चुका है। गुरुवार को महोत्सव के तहत नेहरु नगर क्षेत्र में साईं प्रभात फेरी का भव्य और दिव्य आयोजन पूरे उल्लास, जोश एवं श्रद्धा के साथ किया गया। साईं भक्त सुनील खंडागले के निवास से निकाली साईं प्रभात फेरी का घर-घर आरती उतारकर, रंगोली और दीप सजाकर स्वागत किया गया। बाबा की पालकी को कंधा देने के लिए साईं भक्तों में पूरे समय होड़ मची रही। बाबा के जयघोष से समूचा नेहरु नगर क्षेत्र गुंजायमान बना रहा। भक्तों में शामिल मराठी भाषी महिलाओं ने फुगड़ी भी खेली और मृदंग, झांज मंजीरे एवं ढोलकों की थाप पर नाचते गाते हुए अपनी खुशियाँ भी व्यक्त की। यह सिलसिला 26 मार्च तक चलेगा, जब बड़ा गणपति से छत्रीबाग साईं मंदिर तक शहर के 100 से अधिक साईं मंदिरों से जुड़े श्रद्धालु भी शामिल होंगे। श्री केन्द्रीय सांई सेवा समिति के अध्यक्ष गौतम पाठक, प्रदीप यादव और समीर जोशी ने बताया कि साईं बाबा महोत्सव का यह परम्परागत 32वां वर्ष है जिसका

श्रीगणेश गत सोमवार को छावनी क्षेत्र से किया गया। अब तक छावनी एवं हवाबंगला क्षेत्र में प्रभात फेरियां निकाली जा चुकी हैं। गुरुवार को नेहरु नगर में आयोजित साईं प्रभात फेरी एवं पालकी की अगवानी का दृश्य जिसने भी देखा मंत्रमुग्ध होकर देखता रह गया। घर-घर आरती और दीप मालाओं से बाबा की पालकी का स्वागत किया गया। महिलाओं ने फुगड़ी खेली और वाद्य यंत्रों की मंगल ध्वनि पर नृत्य भी किया।इस बार का महोत्सव साईं भक्त ब्रह्मलीन सुश्री विनिता पाठक को समर्पित रखा गया है।

अग्रवाल पंचायत के सदस्यों ने फाग महोत्सव के बीच लिया परिंदों की सेवा का संकल्प

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री मालवा मील अग्रवाल पंचायत से जुड़े सैकड़ों समाज बंधुओं ने गुरुवार को पंचायत भवन पर आयोजित फाग महोत्सव में नाचते-गाते हुए गीत संगीत के बीच रंग-गुलाल लगाकर अपनी खुशियाँ व्यक्त की, वहीं सामाजिक सरोकार के तहत ग्रीष्म काल में मूक परिंदों के लिए अपने-अपने घर, आँगन या छत और बालकनी पर दाना-पानी रखने और यातायात नियमों का पालन करते हुए हेलमेट का प्रयोग करने की शपथ भी ली।

पंचायत के अध्यक्ष गोविन्द गर्ग भमोरी, मंत्री सुशील अग्रवाल एवं गोविन्द गोयल अलंकार ने बताया कि महाराजा अग्रसेन के चित्र पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ समाज की केन्द्रीय समिति के पूर्व अध्यक्ष संतोष गोयल ने महोत्सव का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम संयोजक विनय गोयल, दिलीप श्री किशन अग्रवाल एवं विजय बहददर ने बताया छोटे पागल बाबा के नाम से प्रख्यात भजन गायक श्रीधर झरकर ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुतियां देकर सैकड़ों समाज बंधुओं को थिरकाए रखा। अतिथियों का स्वागत सुभाष अग्रवाल, कल्याण अग्रवाल, अजय गोयल, सतीश मंगल, अरविन्द गोयल आदि ने किया। पूर्व अध्यक्ष संतोष गोयल ने समाज बंधुओं को पानी का अपव्यय रोकने, यातायात नियमों का पालन कर हेलमेट पहनने एवं ग्रीष्म काल में पशु पक्षियों के लिए दाना-पानी के सकोरे रखने के संकल्प दिलाए। मातृशक्ति की ओर से महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती मोनिका पोत्दार, रेखा गोयल एवं अन्य बहनों ने स्वागत किया। संचालन गोविन्द गर्ग ने किया और आभार माना अजय गोयल ने। फाग महोत्सव में देर रात तक समाज बंधु पूरे उत्साह से थिरकते रहे।

सात मार्च को नईदिल्ली में सम्मानित होंगे तीन लाइनमेन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के उपलक्ष्य में इंडिया हेबिटेट सेंटर नई दिल्ली में 7 मार्च को राष्ट्रीय स्तर का लाइनमेन सम्मान समारोह आयोजित किया जा रहा है। इसमें पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के तीन लाइनमेनों का अभिनंदन किया जाएगा। इन लाइनमेनों में अय्यूब खान पीथमपुर इंदौर ग्रामीण वृत्त, भीमनारायण सिंह पंधाना जिला खंडवा, राजेंद्र राठौर संधारा गरोठ जिला मंदसौर शामिल है। इन बिजली कार्मिकों को मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह, मुख्य महाप्रबंधक प्रकाश सिंह चौहान आदि आदि ने बधाई दी है।

अग्रवाल समाज के निशुल्क अभा परिचय सम्मेलन में दो हजार से अधिक उच्च शिक्षित उम्मीदवारों के आने की उम्मीद

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अग्रवाल महासभा की मेजबानी में ब्रह्मलीन समाजसेवी मिश्रीलाल गोयल की पुण्य स्मृति में 28 से 30 मार्च तक गांधी हॉल परिसर में आयोजित किए जा रहे अ.भा. अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन के लिए अब तक 510 प्रविष्ठियां प्राप्त हो चुकी हैं, इनमें 280 युवक एवं 230 युवती प्रत्याशी शामिल हैं जो उच्च शिक्षित होकर सीए, एमसीए, सीएस, इंजीनियर, डॉक्टर, एमबीए, सॉफ्टवेर इंजीनियर एवं स्वयं के कारोबार में स्थापित हैं। देश के लगभग सभी हिंदी भाषी राज्यों से प्रविष्ठियां मिलने का सिलसिला जारी है।

महासभा के समन्वयक संतोष गोयल, अध्यक्ष डॉ. सतीश गोयल एवं महामंत्री अजय बंसल ने बताया

कि अब तक जो 510 प्रविष्ठियां प्राप्त हुई हैं, उनमें अधिकांश प्रत्याशी उच्च शिक्षित होकर देश-विदेश में आकर्षक पैकेज पर एमएनसी में कार्यरत अथवा स्वयं के कारोबार में स्थापित हैं। पिछले दो परिचय सम्मेलनों की तरह इस परिचय सम्मेलन के लिए भी 2 हजार से अधिक प्रविष्ठियां प्राप्त होने की उम्मीद है। देशभर से जिस तरह से प्रतिदिन परिचय सम्मेलन को लेकर पालकों और प्रत्याशियों के फ़ोन आ रहे हैं, उसे देखते हुए लगता है कि इस बार भी इस सम्मेलन में सर्वाधिक प्रविष्ठियां प्राप्त होंगी। अब तक प्राप्त हुई प्रविष्ठियों का बहुरंगी परिचय पुस्तिका में सचित्र प्रकाशन भी शुरू हो गया है।

आयोजन समिति की गुरुवार को यशवंत निवास रोड स्थित महासभा के कार्यालय पर आयोजित बैठक में सम्मेलन के निमंत्रण पत्र का लोकार्पण भी किया गया। बैठक में रमेश तायल, विनोद अग्रवाल जावरा, राजकुमार गोयल, श्याम गोयल, श्रद्धा बंसल एवं अनामिका अग्रवाल (स्कीम 78) ने सम्मेलन की विभिन्न तैयारियों पर अपने सुझाव एवं विचार व्यक्त किए। यह निर्णय भी लिया गया कि परिचय सम्मेलन में तीनों दिन मूक परिंदों को दाना-पानी रखने के लिए सकोरों का निशुल्क वितरण भी किया जाएगा और निहारिका गेलरी के माध्यम से परिचय सम्मेलन में आई हुई सभी प्रविष्ठियों का विवरण भी सम्मेलन स्थल पर प्रदर्शित किया जाएगा।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

मार्क कार्नी के दौरे से भारत-कनाडा के बीच नई रणनीतिक साझेदारी, हुए ऐतिहासिक समझौते

कनाडा में दुर्लभ खनिजों का विशाल भंडार है और यह समझौता भारत के लिए एक मजबूत एवं सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करने में मददगार होगा। भारत और कनाडा के बीच हुए अहम समझौतों को कूटनीतिक एवं आर्थिक संबंधों के एक नए अध्याय के रूप में देखा जा रहा है। दोनों देशों ने सोमवार को यूरेनियम और दुर्लभ खनिजों की दीर्घकालिक आपूर्ति समेत कई ऐतिहासिक समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इस कदम को द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती के लिए संजीवनी की तरह माना जा रहा है, क्योंकि रिश्तों में आए लंबे गतिरोध के बाद सहयोग के रास्ते खुले हैं। ये समझौते इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं कि दोनों देशों के संबंध अब अस्थिरता के दौर से बाहर निकलकर अधिक परिपक्व और भविष्य की जरूरतों को समझकर साझेदारी को आगे बढ़ाने के चरण में प्रवेश कर चुके हैं। कनाडा से यूरेनियम की आपूर्ति होने से जहां भारत के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के लिए ईंधन की निरंतरता सुनिश्चित होगी, वहीं दोनों देशों में निवेश और व्यापारिक गतिविधियों के नए प्रवाह से आर्थिक विकास को गति मिलने के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। वर्तमान में दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार तेरह अरब डालर के आसपास है, जिसे चौगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। गौरतलब है कि भारत और कनाडा के संबंधों में वर्ष 2023 में उस वक्त खटास पैदा हो गई थी, जब तत्कालीन कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल में खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में भारतीय एजंट की संलिप्तता के आरोप लगाए गए थे। भारत ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था, लेकिन इस घटनाक्रम के बाद दोनों देशों के संबंध अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए थे। उस समय उपजी तल्खी ने व्यापारिक और कूटनीतिक संवाद को लगभग बाधित कर दिया था। हालांकि, पिछले वर्ष मार्च में मार्क कार्नी के कनाडा के प्रधानमंत्री बनने के बाद से दोनों पक्षों ने संबंधों के पुनर्निर्माण और विश्वास बहाली के लिए उपायों की एक निरंतर श्रृंखला शुरू की, जिसका नतीजा अब ऐतिहासिक समझौतों के रूप में सामने आया। इस रणनीतिक साझेदारी के केंद्र में इस वर्ष के अंत तक 'व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते' को संपन्न करने और वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय वार्षिक व्यापार को बढ़ाकर पचास अरब डालर के पार ले जाने का संकल्प व्यक्त किया गया है। कनाडा से यूरेनियम की आपूर्ति से संबंधित समझौते को भारत की ऊर्जा सुरक्षा की लिहाज से अत्यंत महत्त्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

तेल, तनाव और विकास दर : 'युद्ध-भय' का भारतीय परिदृश्य

क्या हर युद्ध हमारी अर्थव्यवस्था की परीक्षा बन जाएगा?

भय से नीति-सुधार तक: क्या बदल पाएगा भारत अपना आर्थिक पैटर्न?

भारत का 'युद्ध-भय' सिंड्रोम अब किसी मनोवैज्ञानिक शब्दकोश की परिभाषा भर नहीं, बल्कि 21वीं सदी के भारत की आर्थिक नब्ज बन चुका है। जैसे ही पश्चिम एशिया में बारूद सुलगता है, मुंबई के दलाल स्ट्रीट पर घबराहट छा जाती है। मार्च 2026 में ईरान-अमेरिका-इजराइल संघर्ष ने इस आशंका को चरम तक पहुँचा दिया, जब ब्रेंट क्रूड 82 डॉलर के ऊपर निकल गया और होर्मुज स्ट्रेट पर जहाज़ों की लंबी कतारें दिखने लगीं। वैश्विक एजेंसियों की रिपोर्टों के मुताबिक 4.5 ट्रिलियन डॉलर की भारतीय अर्थव्यवस्था, जो हाल तक नियंत्रित महंगाई और तेज़ वृद्धि का उदाहरण मानी जा रही थी, अचानक बाहरी झटकों से डगमगाने लगी। यह महज आर्थिक उतार-चढ़ाव नहीं; यह सामूहिक मानस का संकट है—निवेशक जोखिम समेटते हैं, रुपया दबाव झेलता है और आम उपभोक्ता को पेट्रोल पंप पर मिलता बिल आने वाले कल की चिंता जता देता है। वैश्वीकरण की चमक के पीछे छिपी यह असुरक्षा हर बार सामने आ जाती है।

इस 'युद्ध-भय' की जड़ें नई नहीं हैं। 1991 का खाड़ी संकट, जब इराक ने कुवैत पर चढ़ाई की, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को लगभग खाली कर गया और आर्थिक उदारीकरण का द्वार मजबूरी में खुला। 1973 के योम किप्पुर युद्ध ने तेल को हथियार बना दिया था और तब भी भारत ने आयात-निर्भरता की भारी कीमत चुकाई। 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान कच्चा तेल 120 डॉलर तक जा पहुँचा, महंगाई 7 प्रतिशत से ऊपर निकली और मौद्रिक सख्ती बढ़ानी पड़ी। हर बार पैटर्न एक-सा रहा—कहीं दूर युद्ध, और यहाँ विकास दर पर प्रहार। इतिहास लगातार चेताता रहा कि ऊर्जा, उर्वरक और आपूर्ति श्रृंखलाओं में अत्यधिक बाहरी निर्भरता हमें असुरक्षित करती है, फिर भी संकट टलते ही हम सामान्यता के भ्रम में लौट आते हैं। यही चूक 'युद्ध-भय' को स्थायी मन:स्थिति में बदल देती है।

2026 का पश्चिम एशियाई संघर्ष इसी पैटर्न का समकालीन रूप है। भारत के लगभग 17 प्रतिशत निर्यात उसी क्षेत्र की ओर जाते हैं और एक करोड़ से अधिक प्रवासी वहाँ से रेमिटेंस भेजते हैं। यदि तनाव लंबा चला, तो तेल 100 डॉलर के पार निकल सकता है, जिससे चालू खाते

का घाटा फैलेगा और विकास की गति पर दबाव बढ़ेगा। लॉजिस्टिक्स लागत में उछाल और बीमा प्रीमियम में वृद्धि व्यापारिक मार्जिन को निगल जाती है। वित्तीय बाजारों में जोखिम-प्रतिकूलता बढ़ती है और पूंजी उभरते बाजारों से सुरक्षित ठिकानों की ओर सिमटती है। इस पूरी प्रक्रिया में भारत की 'स्वीट स्पॉट' अर्थव्यवस्था-जहाँ महंगाई काबू में और विकास संतुलित था-अचानक असंतुलन की तरफ झुक जाती है। युद्ध भले सीमाओं से दूर हो, पर ऊर्जा मार्गों और पूंजी प्रवाह के जरिये वह हमारे बजट और जेब पर दस्तक दे देता है।

ऊर्जा क्षेत्र इस सिंड्रोम की सबसे नाजुक नस है। भारत अपनी कच्चे तेल की आवश्यकता का लगभग 88 प्रतिशत आयात करता है और उसका बड़ा हिस्सा होर्मुज मार्ग से गुजरता है। रणनीतिक भंडार सीमित समय तक ही सहारा दे सकते हैं; लंबा व्यवधान उद्योग, परिवहन और कृषि की लागत बढ़ा देगा। ईंधन महँगा होता है तो ट्रकों का भाड़ा बढ़ता है, कारखानों की लागत चढ़ती है और अंतत: किराने की दुकानों पर दाम बढ़ जाते हैं। यही क्रम 'ऊर्जा झटके' को 'मुद्रास्फीति तूफान' में बदल देता है। विकसित भारत 2047 का स्वप्न सस्ती और स्थिर ऊर्जा पर आधारित है; यदि हर वैश्विक टकराव पर हमारी ऊर्जा सुरक्षा हिलती है, तो यह सपना बार-बार कसौटी पर होगा। विविधीकरण-चाहे नवीकरणीय ऊर्जा हो या नए आपूर्तिकर्ता-अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता है।

महंगाई और रुपया इस भय के सबसे स्पष्ट संकेतक हैं। तेल में हर 10 डॉलर की बढ़ोतरी चालू खाते के घाटे को उल्लेखनीय रूप से बढ़ा देती है और आयात बिल को फुला देती है। रुपया दबाव झेलता है तो विदेशी ऋण महँगा हो जाता है और कंपनियों की बैलेंस शीट प्रभावित होती है। केंद्रीय बैंक को ब्याज दरों के माध्यम से संतुलन साधना पड़ता है, जिससे कर्ज महँगा और निवेश धीमा पड़ सकता है। अंतत: इसका भार आम नागरिक उठाता है—ईंधन, खाद्य और रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम बढ़ते हैं। 'युद्ध-भय' इसलिए भी गहरा है क्योंकि यह अदृश्य कर की तरह काम करता है; बिना किसी घरेलू नीति-चूक के, वैश्विक संघर्ष हमारी क्रय शक्ति को कम कर देता है।

पूंजी बाजार इस मनोविज्ञान को सबसे तेजी से प्रतिबिंबित करते हैं। अनिश्चितता बढ़ते ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेश सिमटता है, इक्विटी सूचकांक गिरते हैं और नई परियोजनाओं के लिए पूंजी जुटाना कठिन हो जाता है। भारत का बाजार आकार भले पाँच ट्रिलियन डॉलर के करीब पहुँच गया हो, पर तेल-आधारित झटके इसे वैश्विक साथियों से पीछे धकेल सकते हैं। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी जोखिम आकलन के नए मानकों पर कसा जाता है। जब वैश्विक फंड प्रबंधक भू-राजनीतिक जोखिम प्रीमियम बढ़ाते हैं, तो उभरती अर्थव्यवस्थाएँ पहले झटका खाती हैं। एक युद्ध की खबर हजारों अंकों की गिरावट में बदल जाती है और विकास कथा पर प्रश्नचिह्न लग जाता है। यही वह क्षण है जब 'युद्ध-भय' आर्थिक वास्तविकता का रूप ले लेता है।

आखिर हर संकट अपने भीतर समाधान का बीज भी छिपाए रहता है। यह परिदृश्य केवल असहायता का चित्र नहीं, बल्कि तैयारी और परिवर्तन की पुकार है। सरकारें ऊर्जा स्त्रोतों के विविधीकरण, रणनीतिक भंडार के विस्तार और नवीकरणीय निवेश के माध्यम से जोखिम सीमित करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। कूटनीतिक संतुलन भी अनिवार्य है, ताकि सभी पक्षों के साथ ऊर्जा और व्यापारिक रिश्ते सुरक्षित रह सकें। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से दूरी नहीं, बल्कि लचीले वैश्विक एकीकरण की समझदारी भरी नीति है। यदि हम इतिहास से सबक लेकर आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करें, घरेलू विनिर्माण को प्रतिस्पर्धी बनाएं और वित्तीय अनुशासन बनाए रखें, तो 'युद्ध-भय' स्थायी नियति नहीं रहेगा। अन्यथा हर वैश्विक टकराव हमारी अर्थव्यवस्था की नसों पर दबाव बनाता रहेगा। यह सिंड्रोम चेतावनी भी है और अवसर भी—चुनाव हमारा है कि हम भय में सिमटें या उसे नीतिगत सुधार की शक्ति में रूपांतरित कर दें।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत',
बड़वानी (मप्र)

आंचलिक

कसरावद में गाड़ा खिंचाई की परंपरा निभाई, बड़वा ने सात गाड़े खींचे

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • जिले के कसरावद में होली के अवसर पर आस्था से जुड़ी गाड़ा खिंचाई की परंपरा निभाई गई। इस सालाना आयोजन को देखने के लिए शहर और आसपास के क्षेत्रों से लगभग 6 हजार श्रद्धालु पहुंचे। यह आयोजन भवानी माता चौक पर हुआ, जहां यादव मोहल्ले के श्रीराम यादव, जिन्हें 'बड़वा' कहा जाता है, ने पारंपरिक गाड़ा खिंचाई की रस्म निभाई। गोधूलि बेला में श्रीराम यादव ने गाड़ा पूजन कर कपूर आरती उतारी। इसके बाद उन्होंने सात गाड़े खींचकर परंपरा का निर्वहन किया। गाड़ा खींचने से पहले उन्हें हल्दी लगाई गई थी। मंदिर में पूजा-दर्शन के बाद सारथियों ने उन्हें अपने कंधों पर बैठाकर खंडेराव बाबा के जयकारों के साथ गाड़ा मैदान तक पहुंचाया। इस पूरे आयोजन को विवाह की रस्मों की तरह संपन्न किया गया, जिसे देखने के लिए 15 से अधिक गांवों से श्रद्धालु आए थे। लगभग दो घंटे चले इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी हुईं। आयोजन से जुड़े लोगों ने बताया कि यह परंपरा सामान्यत: होली के बाद धुलेंडी के दिन निभाई जाती है। हालांकि, इस वर्ष चंद्रग्रहण के कारण इसे एक दिन आगे बढ़ाकर दूज के दिन आयोजित किया गया।

खंडवा में बवाल...पुलिस ने भीड़ पर लाठीचार्ज किया, धर्मगुरु पर आपत्तिजनक टिप्पणी से भड़का समाज

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • जिले में सोशल मीडिया पर धर्मगुरु को लेकर जमकर बवाल हुआ। धर्मगुरु पर आपत्तिजनक टिप्पणी के खिलाफ गुरुवार रात मुस्लिम समाज ने मोघट रोड थाना घेर लिया। बहस के बीच टीआई धीरेश धरवाल की कॉलर पकड़ी गई। पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की हुई। पुलिस ने भीड़ को कंट्रोल करने लाठीचार्ज किया। वहीं इस दौरान भीड़ के बीच एक युवती से मारपीट भी हुई है। भीड़ में शामिल 8 से 10 युवकों ने बदसलूकी की। युवकों ने थप्पड़ मारे। सिर में चोट आई है। चेहरे पर सूजन है। रोते हुए युवती थाने पहुंची। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज की है।पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में लिया है। जानकारी के अनुसार, किसी व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर मुस्लिम समाज के धर्मगुरु को लेकर आपत्तिजनक पोस्ट की थी। पोस्ट सामने आने के बाद समाज के लोगों में आक्रोश फैल गया। शिकायत मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया था, लेकिन इसके बावजूद कार्रवाई की

मांग को लेकर रात में सैकड़ों लोग मोघट रोड थाने के बाहर पहुंच गए और नारेबाजी शुरू कर दी।

पुलिस अधिकारियों ने मौके पर मौजूद लोगों से बातचीत कर स्थिति को शांत करने की कोशिश की, लेकिन माहौल लगातार तनावपूर्ण होता गया। कुछ लोगों और पुलिस अधिकारियों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई, जो धीरे-धीरे धक्का-मुक्की और हंगामे में बदल गई। घटना की सूचना मिलते ही सीएसपी अभिनव बारंगे मौके पर पहुंच गए। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कंट्रोल रूम में तैनात विशेष पुलिस बल और पुलिस लाइन से रिजर्व फोर्स को भी बुलाया गया। अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर इलाके में पेट्रोलिंग शुरू की गई, जिसके बाद हालात धीरे-धीरे नियंत्रण में आए। वहीं पुलिस ने भीड़ को भड़काने के आरोप में कांग्रेस नेता इमरान गौरी को भी हिरासत में लिया था। हालांकि बाद में एडिशनल एसपी महेंद्र तरानेकर को बताया गया कि इमरान गौरी भीड़ को शांत कराने के लिए मौके पर पहुंचे थे। इसके बाद पुलिस ने उन्हें और दो अन्य लोगों को छोड़ दिया। पुलिस का कहना है कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वाले लोगों की पहचान की जा रही है और उनके खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले व्यक्ति की भी पहचान की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाएगी और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

हाईवे कंपनी की कैंपा गाड़ी ने बाइक सवार को रौंदा

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • निर्माणाधीन इंदौर-एदलाबाद नेशनल हाईवे पर गुरुवार दोपहर एक सड़क हादसा हो गया। मोरटक्का चौकी क्षेत्र में ग्राम आली बुजुर्ग के पास फोरलेन का निर्माण कर रही कंपनी की एक तेज रफ्तार कैंपा गाड़ी ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों ने हाईवे कंपनी पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए आक्रोश जताया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कैंपा गाड़ी को जब्त कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, घटना निर्माणाधीन बायपास के रास्ते पर हुई है। मृतक की पहचान 39 वर्षीय दिनेश (पिता ऐडू कनाड़े), निवासी ग्राम आली बुजुर्ग के रूप में हुई है। दिनेश गुरुवार दोपहर सनावद की तरफ से अपने गांव लौट रहा था। जब वह सर्विस रोड पार करके गांव की तरफ मुड़ रहा था, तभी सड़क निर्माण कर रही केदारेश्वर कंपनी की एक तेज रफ्तार कैंपा गाड़ी ने उसकी बाइक को रौंद दिया।

मृतक दिनेश का परिवार मुख्य रूप से मजदूरी करता है, जबकि दिनेश खुद बकरा-बकरी की खरीदी-बिक्री के लिए एजेंट का काम करता था। इसी काम के सिलसिले में उसका रोजाना सनावद आना-जाना होता था। दिनेश के परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं। हादसे की सूचना मिलते ही दिनेश की पत्नी और बेटी घटनास्थल पर पहुंच गईं और शव के पास उनका रो-रोकर बुरा हाल था। हादसे की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए। उन्होंने सड़क निर्माण कर रही केदारेश्वर कंपनी के खिलाफ जमकर आक्रोश जताया। ग्रामीणों का आरोप है कि हाईवे कंपनी की लापरवाही और तेज रफ्तार वाहन के कारण यह हादसा हुआ है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि ठेकेदार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए और मृतक के परिवार को उचित आर्थिक सहायता प्रदान की जाए।

दो बाइक की भिड़ंत, दो की मौत, हाईवे हादसे में 3 घायल

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • जिले के चित्तौडगढ़-भुसावल हाईवे पर गुरुवार दो तेज रफ्तार बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में दो बाइक ड्राइवरों की मौत हो गई। इस हादसे में तीन अन्य लोग घायल हुए हैं, जिनमें से एक की हालत गंभीर होने पर उसे इंदौर रेफर किया गया है। यह हादसा बिस्टान थाना क्षेत्र के पिपरखेड़ा के पास हुआ। सूचना मिलते ही घायलों को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जिला अस्पताल से मिली जानकारी और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे में बुलेट सवार आकाश गोखले (निवासी राजनगर, खरगोन) और बाइक सवार विष्णु पिता दयाराम (निवासी महू मांडली) की मौके पर ही मौत हो गई। विष्णु के साथ बाइक पर सवार छोटू उर्फ समीर, आकाश और आशीष रवेलसिंह घायल हुए हैं। घायलों में समीर की हालत गंभीर होने के कारण उसे इंदौर रेफर किया गया है। वहीं, आशीष का इलाज जिला अस्पताल के आईसीयू में चल रहा है। मृतकों का गुरुवार को जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम किया गया, जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। अस्पताल पुलिस चौकी पर मर्ग कायम कर बिस्टान थाना पुलिस को आगे की कार्रवाई के लिए मामला भेजा गया है।

वन कटाई और आगजनी रोकने नेपानगर-नावरा जंगल में गश्ती बढ़ी

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर • वन विभाग ने नेपानगर और नावरा के संवेदनशील वन क्षेत्रों में गश्त बढ़ा दी है। यह विशेष गश्त होली से शुरू होकर पंचमी तक जारी रहेगी, जिसका मुख्य उद्देश्य आगजनी और वन कटाई की घटनाओं को रोकना है। हालांकि, इन क्षेत्रों में नियमित गश्त पहले से ही की जाती है, लेकिन अब इसे और सघन कर दिया गया है। नावरा रेंज के घाघरला, नावरा, नीम सेठी, अमुल्ला और बाकड़ी जैसे संवेदनशील इलाकों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जहां अतिक्रमण की शिकायतें अक्सर सामने आती रही हैं।

वन विभाग की टीमें कुछ स्थानों पर पैदल और कुछ क्षेत्रों में वाहनों से भी तलाशी अभियान चला रही हैं। इस अभियान में स्थानीय वन समितियों का भी सहयोग लिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, वन विभाग ने जागरूक ग्रामीणों से भी अपील की है कि वन कटाई या आग लगने की किसी भी घटना की सूचना तुरंत विभाग को दें।

पिछले वर्षों में नेपानगर और नावरा रेंज में बड़े पैमाने पर जंगल काटे गए थे। लगभग ढाई साल पहले, जिला प्रशासन, पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीम ने नावरा-नेपानगर क्षेत्र से बाहरी अतिक्रमणकारियों को हटाया था, जिसमें एक हजार से अधिक अस्थायी झोपड़ियां तोड़ी गई थीं। इसके बाद से विभाग ने बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया है और समय-समय पर सामूहिक गश्त भी की जाती है। इन प्रयासों के कारण अब अतिक्रमण और वन कटाई में उल्लेखनीय कमी आई है। नावरा रेंजर पुष्पेंद्र जादौन ने बताया कि होली के बाद से वन क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी गई है, जो पंचमी तक जारी रहेगी। वन समितियां और जागरूक ग्रामीण भी इस कार्य में सहयोग कर रहे हैं। आगजनी और वन कटाई की स्थिति न बने, इसके लिए टीमें रात भर अलग-अलग क्षेत्रों में गश्त कर वनों पर कड़ी नजर रख रही हैं।

तिरुपति से लाई गई बालाजी की मूर्तियों का स्वागत, 81 फीट ऊंचे मंदिर में होगी स्थापना

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा •जिले के छैगांव माखन स्थित दिव्य बालाजी नगर में गुरुवार को तिरुपति से लाई गई पावन मूर्तियों का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर धार्मिक विधि-विधान के साथ एक विशाल शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इन मूर्तियों को निर्माणाधीन दिव्य बालाजी मंदिर और पद्मावती धाम कॉलोनी के पद्मावती मंदिर में स्थापित किया जाएगा। तिरुपति तिरुमला देवस्थानम द्वारा विशेष रूप से निर्मित एवं भेंट की गई भगवान श्री तिरुपति बालाजी, माता लक्ष्मी, पद्मावती, दशावतार, गणेश, हनुमान, गरुड़, जय-विजय, चंड-प्रचंड और बली पीठ सहित अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियां खंडवा पहुंची हैं। श्री दिव्य बालाजी नगर कॉलोनी में भगवान तिरुपति बालाजी का 81 फीट ऊंचा भव्य मंदिर निर्माणाधीन है। इसके गर्भगृह में स्थापित होने वाली मूर्तियों का गुरुवार को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ स्नान, दुग्धाभिषेक, जलाभिषेक और विशेष पूजा-अर्चना की गई। आचार्य पंडित अमित दाधीच, प्रवीण अत्रे, अवधेश उपाध्याय, सुरेश शर्मा और पीयूष दुबे सहित अन्य विद्वान ब्राह्मणों ने ये धार्मिक विधि-विधान संपन्न कराए।

शोभायात्रा के दौरान ढोल-नगाड़ों, जयकारों और आतिशबाजी से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया और श्रद्धालुओं ने जगह-जगह मूर्तियों का स्वागत किया। इस कार्यक्रम में मंत्री विजय शाह, सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल सहित कई अन्य जनप्रतिनिधि व स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। बालाजी ग्रुप के संस्थापक रितेश गोयल ने बताया कि इस पूरी पहल का मुख्य उद्देश्य जिले में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना है। उन्होंने जानकारी दी कि फिलहाल मूर्तियों को मंदिर परिसर में सुरक्षित रखकर अन्नाधिवास कराया गया है। जल्द ही एक शुभ तिथि तय कर वैदिक अनुष्ठान के साथ मूर्तियों की विधिवत प्राण-प्रतिष्ठा कर उन्हें मंदिरों में स्थापित किया जाएगा।

वर्ल्ड कप फाइनल पर फोकस - फिन एलन

कोलकाता (एजेंसी) • सेंचुरी बनाने वाले फिन एलन ने रिकॉर्ड तोड़ पारी खेलकर न्यूज़ीलैंड को सेमीफाइनल में साउथ अफ्रीका पर नौ विकेट से शानदार जीत दिलाने के बाद तुरंत अपना फोकस टी-20 वर्ल्ड कप के रविवार को होने वाले फ़ाइनल पर कर लिया। एलन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मेन्स टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास का सबसे तेज़ शतक बनाया। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज़ ने सिर्फ 33 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जिससे क्रिस गेल का 47 गेंदों में बनाया गया पिछला रिकॉर्ड टूट गया। इस धमाकेदार ओपनर ने 10 चौके और आठ छक्के लगाए। टिम

सिफर्ट (58) के साथ ज़बरदस्त पार्टनरशिप की, जिससे न्यूज़ीलैंड ने 13 ओवर से कम समय में 170 रन का टारगेट हासिल कर लिया। इस शानदार जीत ने ब्लैक कैप्स को 2021 के बाद पहली बार टी-20 वर्ल्ड कप के फ़ाइनल में पहुंचाया। एलन ने कहा, रविवार को उन पर एक जीत हासिल करना हमारे लिए बहुत बड़ा कॉन्फिडेंस बूस्टर है। वे पूरे टूर्नामेंट में इन-फॉर्म टीम रहे हैं। इसलिए मुझे लगता है कि एक ग्रुप के तौर पर, रविवार को वह जीत हासिल करना हमारे लिए बहुत बड़ी बात है, लेकिन आपको रविवार को फिर से शुरुआत करनी होगी।

वरुण के बचाव में उतरे मेंटर उसके प्रदर्शन में कोई कमी नहीं

मुंबई (एजेंसी) • भारतीय क्रिकेट टीम के मिस्ट्री स्पिनर के नाम से लोकप्रिय वरुण चक्रवर्ती का प्रदर्शन इस बार टी20 विश्वकप में उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है। वरुण चक्रवर्ती सुपर 8 के मैच में बल्लेबालों पर पूरी तरह से अंकुश नहीं लगा पाये जिससे उनके ओवरों में पहले से अधिक अधिक रन बने हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में वह प्रभावित नहीं कर पाये हालांकि इसके बाद भी वह भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वहीं वरुण के मेंटर प्रतीपन ने उनका बचाव करते हुए कहा है कि इस गेंदबाज के फार्मा को लेकर चिन्ता की कोई जरुरत नहीं है। प्रतीपन ने कहा, आंकड़ों पर नजर डालें तो वरुण ने अच्छी गेंदबाजी की है। अगर पिच से किसी और को ज्यादा टर्न मिल रही होती और वरुण को नहीं, तो हम कुछ बदलाव की बात करते पर अभी ऐसा कुछ नहीं है। इसलिए वह परेशान नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वरुण को अभी तकनीक में किसी भी प्रकार के बदलाव की जरुरत नहीं है। उनका फिलहाल किसी तकनीकी बदलाव की जरूरत महसूस नहीं की गई है। केवल एक दो मैच के आधार पर बदलाव सहीं नहीं है।

गावस्कर का फाउंडेशन कर रहा गोल्फ इवेंट का आयोजन

मुंबई (एजेंसी) • पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का चैंप्स फाउंडेशन आज डीपी वर्ल्ड सेलिब्रिटी गोल्फ इवेंट आयोजित करने जा रहा है। इसमें कई पूर्व क्रिकेटरों के अलावा अन्य खेलों के दिग्गज भी भाग लेंगे। ये इवेंट मुंबई के चेंबूर स्थित बॉम्बे प्रेसीडेंसी गोल्फ क्लब में होगा। इसमें दुनिया भर के नामी गोल्फर भाग लेंगे। ये फाउंडेशन परेशानियों से संघर्ष कर रहे पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की सहायता करता है। इस टूर्नामेंट में 100 से ज्यादा प्रतियोगियों के शामिल होने की संभावना है। इसमें पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह, जीआर विश्वनाथ, वेंकटेश प्रसाद, हरभजन सिंह, अजय जडेजा, पार्थिव पटेल, मुरली कार्तिक, एस. बद्रीनाथ, मुरली विजय और निखिल चोपड़ा भी शामिल होंगे। वहीं विदेशी क्रिकेटरों में इयोन मॉर्गन, माइकल वॉन और डेविड लॉयड रहेंगे। क्रिकेट के अलावा टेनिस स्टार लिएंडर पेस, बैडमिंटन दिग्गज प्रकाश पादुकोण और प्रोफेशनल गोल्फर नेहा त्रिपाठी, रिधिमा दिलावरी व गौरव घई भी इस इवेंट में भाग लेंगे। सुनील गावस्कर ने कहा कि चैंप्स फाउंडेशन इस सोच के साथ बनाया गया कि जिन्होंने खेल के जरिए देश का नाम रोशन किया, उन्हें जरूरत के समय अकेला न छोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि यह आयोजन सिर्फ गोल्फ नहीं, बल्कि खेल समुदाय को लौटाने का प्रयास है।वहीं पेस ने कहा कि खेल हमें अनुशासन, मजबूती और एकजुटता सिखाता है। चैंप्स फाउंडेशन इन्हीं मूल्यों का प्रतीक है।

संदीपा ने की अपनी फिल्म 'दो दीवाने सहर' में की तारीफ

मुंबई (एजेंसी) • फिल्म 'दो दीवाने सहर' में अभिनेत्री संदीपा धर नजर आईं। इस फिल्म में संदीपा ने नैना नाम की एक ऐसी लड़की का किरदार निभाया है जो बाहर से तो परफेक्ट दिखती है, लेकिन अंदर से बेहद अकेली है। अपने किरदार के बारे में संदीपा ने बताया कि इस फिल्म को चुनने की सबसे बड़ी वजह नैना का जटिल और गहराई वाला किरदार था। उनके अनुसार, बाहरी खुशहाल छवि के पीछे छिपी उथल-पुथल और टूटे हुए एहसासों को परदे पर दिखाना एक कलाकार के रूप में चुनौतीपूर्ण होने के साथ बेहद रोमांचक भी रहा। संदीपा ने फिल्म की कहानी की भी जमकर तारीफ की और कहा कि लंबे समय बाद दर्शकों के सामने ऐसी अनूठी प्रेम कहानी आई है, जो सामान्य रोमांस से अलग है। यह दो ऐसे लोगों की कहानी है जो अपनी-अपनी कमजोरियों को पहचानते हैं, उन्हें स्वीकार करते हैं और एक-दूसरे को अपनाते हुए अपनी जिंदगी में आगे बढ़ते हैं। उनके मुताबिक, हीरो-हीरोइन द्वारा अपनी कमियों को स्वीकारते हुए प्यार चुनने वाली कहानियां आजकल बहुत कम देखने को मिलती हैं। फिल्म की रिलीज के बाद संदीपा धर बेहद संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा कि फिल्म बिल्कुल उसी तरह बनी है जैसा उन्होंने उम्मीद की थी और उनका किरदार भी दर्शकों द्वारा उसी रूप में स्वीकार किया गया। उन्होंने बताया कि फिल्म के दूसरे हिस्से में उनका और अभिनेत्री मृणाल ठाकुर का टकराव वाला सीन काफी महत्वपूर्ण था, और यह दर्शकों के बीच खासा चर्चित भी रहा।

बॉलीवुड को अक्सर गलत तरीके से किया जाता है पेश: सुनील शेट्टी

मुंबई (एजेंसी) • फिल्म इंडस्ट्री की लगातार खराब की जा रही छवि पर हाल ही में अभिनेता सुनील शेटटी ने खुलकर अपनी बात रखी है। एक इवेंट में उन्होंने कहा कि हिंदी फिल्म जगत को अक्सर गलत तरीके से पेश किया जाता है, जबकि इंडस्ट्री में ऐसे कई कलाकार और तकनीशियन हैं, जो पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ गुणवत्तापूर्ण सिनेमा बनाने के लिए समर्पित हैं। उनका कहना था कि दर्शकों को यह समझना चाहिए कि पूरी इंडस्ट्री नकारात्मकता से भरी नहीं होती। सुनील के मुताबिक, बॉलीवुड से जुड़े लोग लगातार सुर्खियों में रहते हैं, इसलिए उनके बारे में सकारात्मक से ज्यादा नकारात्मक बातें फैलती हैं। उन्होंने कहा, 'जब आप एक्टर, सिंगर, खिलाड़ी या एंटरटेनर होते हैं, तो आप हमेशा जनता की नजरों में रहते हैं। ऐसे में आपके बारे में अच्छी और बुरी दोनों तरह की बातें कही जाती हैं, जो कई बार स्थिति को चुनौतीपूर्ण बना देती हैं।'

उज्जैन संभाग

विधायक को घेरा, भाजपा दफ्तर में घुसी भीड़, सड़क चौड़ीकरण के खिलाफ हंगामा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • पिपलीनाका क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण के लिए लगाए गए निशान के बाद स्थानीय रहवासियों में भारी गुस्सा है। गुरुवार को इस मुद्दे पर करीब 400 से ज्यादा लोग विरोध दर्ज कराने के लिए क्षेत्रीय विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा के आगर रोड स्थित दफ्तर जा पहुंचे। विधायक ने लोगों को समझाइश दी और कार से कहीं जाने लगे। इस दौरान आक्रोशित भीड़ ने उनकी गाड़ी को बीच में ही रोक लिया। लोग विधायक को भाजपा कार्यालय भी ले गए यहां महिलाएं रोते हुए दफ्तर के भीतर घुस गईं और जमकर नारेबाजी की। करीब एक घंटे से ज्यादा समय तक हंगामे की स्थिति बनी रही।

चौड़ीकरण के दायरे में आने वाले लोगों को नोटिस

दरअसल, नगर निगम ने मंगलवार को पिपलीनाका से गढ़कालिका और भैरवगढ़ मार्ग पर सड़क चौड़ीकरण के दायरे में आने वाले लोगों को नोटिस जारी किए थे। भवन स्वामियों को निर्देश दिए गए कि वे प्रभावित हिस्से को सात दिनों के भीतर खुद ही खाली कर दें। स्थानीय लोगों के अनुसार कई मकानों का 10 से 20 फीट तक हिस्सा सड़क चौड़ीकरण में आ रहा है। इससे कई परिवारों के मकान और रोजी-रोटी पर असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है। विरोध प्रदर्शन के दौरान कई महिलाएं अपना घर टूटने के डर से रोती-बिलखती नजर आईं। उन्होंने विधायक से कहा कि हमने वोट देकर आपको चुना, लेकिन अब हमारे घरों को ही तोड़ा जा रहा है। विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा ने प्रदर्शनकारियों की बात सुनने के बाद कलेक्टर रोशन सिंह से फोन पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि वे प्रभावित लोगों को कलेक्टर से मिलवाएंगे और इस मुद्दे पर समाधान निकालने की कोशिश करेंगे। सड़क चौड़ीकरण के दायरे में आए परिवारों के सामने अब छत खोने का संकट खड़ा हो गया है। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने अपनी हालत बयान की।

आर्थिक तंगी और बीमारी का दोहरा बोझ

स्थानीय रहवासी संगीता भारती ने रुंधे गले से अपनी बेबसी जाहिर करते हुए बताया कि उन्होंने अपने बेटे और पति दोनों को खो दिया है। अब वे परिवार में अकेली कमाने वाली हैं। मजदूरी करके अपना गुजारा करती हैं। हालत इतनी खराब है कि उनके पास किराए के कमरे का पैसा देने तक की व्यवस्था नहीं है। संगीता ने कहा कि मैं अक्सर बीमार रहती हूं, लेकिन गरीबी के कारण अपना इलाज तक नहीं करा पा रही हूं। ममता सैनी ने प्रशासन से अपना घर बचाने की गुहार लगाते हुए कहा- हमारा घर तोड़ा जा रहा है। अगर यह आशियाना छिन गया, तो हम अपने छोटे-छोटे बच्चों को लेकर दर-दर भटकने को मजबूर हो जाएंगे। उनके पास रहने के लिए इस घर के अलावा और कोई दूसरी जगह नहीं है। उन्होंने मांग की कि सड़क के लिए भले ही 10 फीट जमीन ले ली जाए, लेकिन पूरा घर न तोड़ा जाए। घर टूटने के बाद उनके पास रहने के लिए सिर्फ एक छोटा सा कमरा बचेगा, जिसमें पूरे परिवार का गुजारा नामुमकिन है।

100 फीट चौड़ाई के अनुसार लगाए गए निशान

निगम के जोन-1 कार्यालय की टीम ने पिपलीनाका से गढ़कालिका मंदिर होते हुए ओखलेश्वर श्मशान और भैरवगढ़ जेल चौराहा तक के घर और दुकान मालिकों को नोटिस दिए हैं। पहले सड़क को 150 फीट चौड़ा करने का प्रस्ताव था, जिसे बाद में घटाकर 100 फीट किया गया है। स्थानीय रहवासी सड़क की चौड़ाई 80 फीट रखने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि इससे कई मकानों को टूटने से बचाया जा सकता है। वहीं प्रशासन जल्द ही मौके पर काम शुरू करने की तैयारी में है।

व्यापारी-हम्मालों के बीच डाला भरवाई विवाद पर आज होगी बैठक

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • व्यापारी और हम्मालों के बीच राशि बढ़ाने के विवाद को लेकर बड़नगर में आज भी मंडी बंद रहेगी। निलामी कार्य और खरीद-फरोख्त नहीं होगी हो सकेगी। पिछले चार दिनों से कृषि उपज मंडी बंद है। पांचवे दिन गुरुवार को भी मंडी शुरू नहीं हो पाएगी। मंडी प्रशासन द्वारा व्यापारियों और हम्मालों के बीच चल रहे विवाद के निराकरण को लेकर 5 मार्च को एक बैठक बुलाई गई है। बैठक में निर्णय होने के बाद ही मंडी प्रारंभ होगी।

किसानों ने मंडी गेट पर प्रदर्शन किया

उज्जैन जिले की तहसील बड़नगर में कृषि उपज मंडी में फसल बेचने आए किसान पिछले पांच दिन से परेशान हो रहे है। शुक्रवार को व्यापारियों और हम्मालों में डाला भरवाई की राशि बढ़ाने को लेकर विवाद हो गया। इसके चलते नीलामी कार्य बंद हो जाने से उपज बेचने आए आक्रोशित सैकड़ों किसानों ने मंडी के मुख्य गेट पर ताला लगाकर प्रदर्शन शुरू कर दिया था। दरअसल, हम्माल एसोसिएशन की मांगें दो माह पूर्व मंडी सचिव को लिखित में दी थी। लेकिन मंडी सचिव द्वारा हम्माल एसोसिएशन के आवेदन पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया।

मंडी खुलवाने के लिए प्रयास जारी

चार दिन से दूरदराज से आए सैकड़ों किसान परेशान होते रहे। शुक्रवार को किसानों द्वारा मंडी में प्रदर्शन की जानकारी मिलते ही एसडीएम धीरेंद्र पाराशर भी मंडी पहुंच गए। पूर्व विधायक मोरवाल ने अधिकारी पाराशर से भी इस मामले को लेकर चर्चा की लेकिन कोई हल नहीं निकला। आज बैठक में निर्णय निकलने की सम्भावना है।

महाकाल मंदिर में भस्म आरती, पंचामृत अभिषेक के बाद राजाधिराज स्वरूप में हुआ विशेष श्रृंगार

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • श्री महाकालेश्वर मंदिर में भस्म आरती के दौरान मंदिर के पट खोले गए। पुजारी ने गर्भगृह में विराजित सभी देव प्रतिमाओं का पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक किया। इसके बाद दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से अभिषेक कर प्रथम घंटानाद के साथ हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के पश्चात जटाधारी भगवान महाकाल का रजत चंद्र, भांग, चंदन और गुलाब की माला से श्रृंगार किया गया। रजत मुकुट और त्रिपुंड अर्पित कर अलंकरण पूर्ण किया गया। इसके बाद ज्योतिर्लिंग को वस्त्र से आच्छादित कर भस्म रमाई गई।भस्म अर्पण के उपरांत भगवान का राजाधिराज स्वरूप में विशेष श्रृंगार किया गया। शेषनाग का रजत मुकुट, रजत की मुंडमाला, रुद्राक्ष की माला और सुगंधित पुष्पों की मालाएं अर्पित की गईं। गुलाब की खुशबू से महकते पुष्प धारण कर भगवान महाकाल को भांग, ड्रायफ्रूट, फल और मिष्ठान का भोग लगाया गया।

भस्म आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और बाबा महाकाल का आशीर्वाद प्राप्त किया। महानिर्वाणी अखाड़ा की ओर से भगवान को भस्म अर्पित की गई। मान्यता है कि भस्म अर्पण के बाद भगवान निराकार से साकार रूप में भक्तों को दर्शन देते हैं।

5 लाख की दुकान 25 लाख में नीलाम, 10 लाख की लागत से बनी दुकानों से जनपद को मिले 1 करोड़

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • खंडवा कलेक्ट्रेट रोड पर नवनिर्मित जनपद पंचायत की 5 दुकानों की गुरुवार को भारी बोली के बीच नीलामी की गई। महज 2-2 लाख रुपए (कुल 10 लाख) की लागत से बनी और 5 लाख रुपए की आधार कीमत वाली ये दुकानें 14 लाख से लेकर 25 लाख रुपए तक में नीलाम हुईं। 10म12 फीट आकार की इन पांचों दुकानों की नीलामी से जनपद पंचायत को एक करोड़ रुपए से अधिक की अमानत राशि प्राप्त हुई है। नीलामी में शामिल होने के लिए 25 हजार रुपए की अमानत राशि जमा कराई गई थी। जनपद पंचायत सीईओ निकिता मंडलोई ने स्पष्ट किया कि इन दुकानों को किराये पर दिया गया है और नीलामी में जमा कराई गई यह बड़ी राशि अमानत (सिक्योरिटी डिपॉजिट) के रूप में सुरक्षित रहेगी। जब भी किरायेदार दुकान सरेंडर करेगा, उसे यह राशि वापस कर दी जाएगी। फिलहाल यह अनुबंध 3 साल के लिए किया गया है। इसके बाद नई सिरे से प्रक्रिया होगी, हालांकि वर्तमान किरायेदार को इसमें प्राथमिकता दी जाएगी।

तय शर्तों के अनुसार, अमानत राशि के अलावा इन दुकानों का निर्धारित मासिक किराया भी वसूला जाएगा। इस किराये से प्राप्त होने वाली आय को जनपद पंचायत क्षेत्र के विकास कार्यों में खर्च किया जाएगा। इस पूरी नीलामी प्रक्रिया के दौरान एसडीएम ऋषि सिंघई, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि रामपाल सिंह सोलंकी और सरपंच संघ अध्यक्ष अर्जुन सोलंकी सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आज के कार्यक्रम

- 12.25 दोप.
रवीन्द्र भवन आगमन
स्थानीय कार्यक्रम
- 01.20-02.30 दोप.
बैठक - किसान कल्याण से जुड़े विषयों पर समत्व
- 02.35-03.00 दोप.
अभिनंदन कार्यक्रम समत्व
- 03.30-03.45 दोप.
स्टेट हैंगर भोपाल आगमन
- 03.50-04.15 सायं
स्टेट हैंगर भोपाल से एयरपोर्ट इंदौर, जिला इंदौर आगमन
- 04.20-04.40 सायं
स्कायलाईन रिसोर्ट एंड कन्वेंशन सेंटर, इंदौर आगमन

स्थानीय कार्यक्रम

- 05.10-05.30 सायं
एयरपोर्ट इंदौर, जिला इंदौर आगमन
- 05.35-06.00 सायं
एयरपोर्ट इंदौर से स्टेट हैंगर भोपाल आगमन
- 08.45-09.00 रात्रि
होटल वाना ग्रीन, नीलबढ़, भोपाल आगमन

ड्रोन से पकड़े गए 8 जुआरी, एमडी ड्रग के साथ आरोपी गिरफ्तार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के द्वारकापुरी थाना क्षेत्र में पुलिस ने ड्रोन की मदद से जुआ खेल रहे 8 लोगों को पकड़ लिया। इलाके में सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी के लिए ड्रोन उड़ाया गया था। ड्रोन देखकर जुआरी भागने लगे, लेकिन पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। आरोपियों के पास से 6,400 रुपए जब्त किए गए हैं। बुधवार को होली के मौके पर डीसीपी आनंद कल्यादगी के निर्देश पर इलाके में विशेष सुरक्षा व्यवस्था की जा रही थी। इसी दौरान दिग्विजयनगर मल्टी में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने विक्रम डाबर, सुनील जाट, सन्नी राठौर, सोहन सीताराम, मंशाराम भील, रोहित शिवा, पंकज राठौर और जीवन डाबर को गिरफ्तार किया। ड्रोन देखकर आरोपियों ने ताश के पत्ते नीचे फेंक दिए थे। पुलिस ने जुआ एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। हीरानगर पुलिस ने एमडी ड्रग के साथ विनय उर्फ भांजा पुत्र श्याम बामनिया निवासी संविद नगर झोपड़ी, कालका माता मंदिर क्षेत्र को गिरफ्तार किया है।

भागीरथपुरा दूषित पानी कांड में साजिश, पोटेशियम क्लोराइड मिलाने के आरोप, जांच की मांग के लिए हाईकोर्ट में लगी आईए

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के भागीरथपुरा दूषित पानी कांड में साजिश की आशंका बढ़ गई है। पानी की टंकी में पोटेशियम क्लोराइड मिलाने के आरोपों पर हाईकोर्ट में इंटरविनर एप्लीकेशन दाखिल। भागीरथपुरा में दूषित पानी से गई 35 जान के पीछे क्या साजिश थी। अब इसे लेकर हाईकोर्ट में औपचारिक इंटरविनर एप्लीकेशन लग गई है।

इंदौर हाईकोर्ट में भागीरथपुरा दूषित पानी कांड को लेकर लगी विविध जनहित याचिकाओं को लेकर गुरुवार को सुनवाई हुई। इसमें जांच कमीशन को जांच के लिए एक माह का समय और दिया गया है। हालांकि एक प्रारंभिक रिपोर्ट दी है लेकिन इसे सीलबंद लिफाफे में रखा गया है। लेकिन इस कांड को लेकर वरिष्ठ अधिवक्ता अजय बागड़िया ने एक इंटरविनर एप्लीकेशन (आईए) लग गई है। इसमें इसे साजिश के रूप में देखा गया है।

मुख्य टंकी में केमिकल मिलाने की आशंका-इस याचिका में वरिष्ठ अधिवक्ता ने पैनड्राइव में कुछ लोगों के बयान भी दिए हैं। यह वह लोग है जिनके घर में नर्मदा पानी सप्लाय नहीं थी और यह सीधे मुख्य टंकी से पानी लेते थे। यह सभी भी 24-25 दिसंबर के दौरान पानी का उपयोग करने पर बीमार हुए हैं।

इस याचिका में आशंका जताई गई है कि मुख्य टंकी में ही पोटेशियम क्लोराइड की गोलियां अधिक मात्रा में डाली गई है, जिसके चलते उस दौरान जिन्होंने इस पानी का उपयोग किया वह बीमार हुए और बाद में लोगों की जान भी गई। वरिष्ठ अधिवक्ता बागडिया के साथ सहयोगी

अधिवक्ता शैली पुरंदरे भी थी। आईए को लेकर दस्तावेज और पैनड्राइव भी रखी है।

वरिष्ठ अधिवक्ता बागड़िया ने कहा कि इस मामले में स्वतंत्र रूप से पुलिस जांच जरूरी है। खासकर टंकी पर तैनात चार कर्मचारियों से पुछताछ होना चाहिए। इसमें दो कर्मचारी निगम की ओर से रहते हैं जो सुपरवाइज और हेल्पर होते हैं और दो कांट्रेक्ट बेस पर रामकी इंडस्ट्रीज की ओर से होते हैं। यह भी जानकारी सोर्सेस से मिली है कि यह गोलियां बाहर से खरीदी गई और इन्हें टंकी में डाला गया।

इस मामले में पहले ही आशंका जताई थी यह साजिश है। क्योंकि सीवेरज संबंधी पानी से मौत की बात पहले कभी नहीं आई। वह भी इतने बड़े स्तर पर जिसमें 459 लोग अस्पताल में भर्ती हुए, ऐसा कभी सामने नहीं आया। यह भी सूत्र ने बताया था कि इस मामले में उस समय पदस्थ अधिकारियों ने जांच शुरू की थी और कुछ बयान भी लिए थे, पुलिस द्वारा भी अंदरूनी जांच की थी, जिसमें इसकी आशंका आ रही थी। लेकिन बाद में अधिकारियों को जिम्मेदार और लापरवाही बताकर उन्हें ट्रांसफर किया गया। इस पूरे मामले की बड़े स्तर पर गहन जांच जरूरी है। यह शहर की सुरक्षा का गंभीर मामला है।

पानी की बदबू दूर करने के लिए क्या मिलाया था

मिली जानकारी के अनुसार 24 दिसंबर से पहले पानी में काफी गंदी बदबू आ रही थी। इस दौरान बात आई कि दो दिन शटडाउन रखकर इसे ठीक किया जाए। लेकिन इसमें फिर पानी सप्लाय जारी रखने के लिए दबाव आया। आशंका है कि इसके बाद कुछ लोगों ने यह पोटेशियम क्लोराइड की दवाएं मिलाई। इसके चलते यह हादसा हुआ।

जांच कमीशन ने यह रिकार्ड मांगे

उधर जांच कमीशन ने बताया कि जो रिकार्ड मांगे वह अभी प्राप्त नहीं हुए हैं। इसमें निगम से जल वितरण मैनेजमेंट, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, वाटर टैस्टिंग और लैब एनालिस रिपोर्ट, वाटर पाइपलाइन और सीवरेज लाइन रिकार्ड, टेंडर डाक्यूमेंट, पानी को लेकर शिकायतों के रिकार्ड। कमीशन ने कहा कि इन रिकार्ड के बिना जांच नहीं हो सकती है। यह सब होने के बाद आयोग विस्तृत रिपोर्ट पेश करेगा। इस पर अपर आयुक्त आशीष पाठक ने कहा कि कुछ रिकार्ड दे दिए गए हैं और बाकी 10 दिन में दे देंगे।

प्रदेश में फर्जी जाति प्रमाण पत्र से बन रहे अधिकारी, एसडीएम, एडीओपी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● प्रदेश में क्या जाति प्रमाण पत्र के जरिए अधिकारी बन रहे हैं। प्रदेश के अधिकारियों को लेकर यह सवाल विधानसभा में उठाया गया है। इसमें एसडीएम, एसडीओपी से लेकर जेल अधीक्षक तक दायरे में आए हैं। एमपी में आदिवासी यानी एससी और एसटी के फर्जी जाति प्रमाण पत्र से नौकरी लेने का मामला फिर गरमा गया है। मध्यप्रदेश विधानसभा में इसे लेकर मनावर विधायक डॉ. हीरालाल अलावा ने सवाल उठाया था।

इसमें नामजद अधिकारियों के नाम लेकर इनकी जानकारी भी मांगी गई है। विधायक का कहना है कि जाति प्रमाण पत्र के 1950 के क्राइटेरिया का पालन किए बिना यह प्रमाण पत्र बने हैं। इन सभी की छानबीन समिति से जांच की बात उठाई गई है।

इन अधिकारियों के प्रमाण पत्र पर उठाए सवाल - विधायक

जेल अधीक्षक तक पर उठे सवाल

ने इंदौर में एसडीएम रह चुके और अभी झाबुआ में पदस्थ संयुक्त कलेक्टर अक्षय मरकाम के प्रमाण पत्र पर सवाल उठाया है। इसके साथ ही भोपाल सेंट्रल जेल अधीक्षक राकेश कुमार मांगरे, धामनोद धार जिला एसपी कार्यालय में पदस्थ एसडीओपी मोनिका सिंह के प्रमाण पत्र को लेकर भी सवाल उठाया है। इन सभी के प्रमाण पत्र, मूल निवासी प्रमाण पत्र न अन्य जानकारियां मांगी गई हैं।

सीएम ने दिया इन पर जवाब- विधायक अलावा के सवाल पर सीएम मोहन यादव ने जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि सभी के प्रमाण पत्रों की जांच संबंधित विभाग की छानबीन समिति के जरिए अलग-अलग की जाती है।

इसमें एसटी विभाग, एससी कल्याण विभाग, ओबीसी व अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की अलग-अलग छानबीन समिति है। वहीं तीनों अधिकारियों मरकाम, मांगरे और सिंह के फर्जी प्रमाण पत्र पर सीएम ने जवाब दिया कि इनकी जानकारी एकत्र की जा रही है।

विजयवर्गीय को नहीं मना पाए आयोजक सत्तन भी थे विरोध में, बजरबट्टू निरस्त

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● रंगपंचमी की पूर्व संध्या पर होने वाला हास्य-कवि सम्मेलन बजरबट्टू आखिर निरस्त हो गया है। बजरबट्टू के आयोजकों ने नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के साथ कई दौर की बैठक की। लेकिन वह मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को नहीं मना पाए। आखिरकार आयोजकों ने गुरुवार शाम को औपचारिक तौर पर इसे निरस्त करने की घोषणा कर दी। यह आयोजन हर साल के अनुसार रंगपंचमी की पूर्व संध्या पर (7 मार्च) को होना था। इसके पोस्टर भी लग चुके थे। लेकिन आयोजक मंत्री को नहीं मना पाए।

सत्तन गुरू से मिले कैलाश विजवर्गीय : उधर, बीजेपी के वरिष्ठ नेता सत्यनरायण सत्तन यानी सत्तन गुरू से भी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मुलाकात की। विजयवर्गीय होली की शुभकामनाएं देने के

लिए गुरुवार को उनके निवास पर पहुंचे। यहां बंद कमरे में लंबी बात हुई।

ऐसी त्रासदी में हंसी-मजाक उचित नहीं : सत्तन गुरू ने चर्चा में कहा कि बजरबट्टू आयोजन निरस्त होना सही कदम है। जब उनकी विधानसभा इंदौर-1 में ही भागीरथपुरा जैसी त्रासदी हुई तो ऐसे में हंसी-मजाक, ठिठोली उचित नहीं है। खुद कैलाश का भी मन नहीं था और आखिरकार यह निरस्त हो गया, जो सही है। वहीं मुलाकात पर उन्होंने कहा कि यह सौजन्य मुलाकात थी।

इंदौर में पिछले 27 सालों से अनवरत हर साल हो रहा बजरबट्टू सम्मेलन निरस्त हो गया है। यह आयोजन मुख्य तौर पर हास्य कवि सम्मेलन के साथ ही इस बात के लिए पहचान रखता है कि इसमें कैलाश विजयवर्गीय क्या रूप रखते हैं। दरअसल, हर बार विजयवर्गीय इसमें नया रूप धरकर सामने आते हैं। वह चाणक्य, नारदमुनि, भगवान विष्णु, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, चाचा चौधरी, सचिन तेंदुलकर जैसे कई रूप धर चुके हैं। लेकिन इस बार इस आयोजन में शामिल होने और रूप धरने के लिए कैलाश विजयवर्गीय तैयार नहीं थे। आयोजक अशोक चौहान चांदू ने कहा कि कैलाश से ही आयोजन है, ऐसे में उनके बिना यह संभव नहीं है। चांदू और अजय लाहोटी ने कहा कि कवियों को भी आमंत्रण जा चुके थे, लेकिन कैलाश को हम राजी नहीं कर सके।

बोर्ड परीक्षाएं 7 मार्च को होंगी खत्म मई में आ सकते हैं परिणाम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की बोर्ड परीक्षाएं 7 मार्च को समाप्त हो जाएंगी। 10वीं की अंतिम परीक्षा शुक्रवार को होगी, जबकि 12वीं की परीक्षा 7 मार्च को हिंदी विषय के साथ समाप्त होगी। मंडल ने रिजल्ट जल्दी घोषित करने के लिए परीक्षाओं के दौरान ही 22 फरवरी से उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन शुरू कर दिया था। इस साल करीब 16 लाख विद्यार्थियों की 90 लाख उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन में प्रदेश भर से लगभग 20 हजार शिक्षक लगे हैं।

शिक्षकों को प्रतिदिन 45 से 60 उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार मार्च के अंत तक मूल्यांकन कार्य पूरा कर लिया जाएगा, इसके बाद डाटा प्रोसेसिंग शुरू होगी। संभावना है कि मई के पहले सप्ताह तक नतीजे घोषित किए जा सकते हैं।

कैमरे की निगरानी में मूल्यांकन-समन्वयक केंद्रों पर सीसीटीवी निगरानी के तहत उत्तरपुस्तिकाएं जांची जा रही हैं। शिक्षकों की उपस्थिति मोबाइल एप पर दर्ज होने के बाद ही उन्हें मूल्यांकन कार्य के लिए प्रवेश दिया जा रहा है। निरीक्षण दल भी मंडल के एप आधारित डाटा से मूल्यांकन केंद्रों की निगरानी कर रहे हैं।

अधिकारियों का कहना है कि मंडल का लक्ष्य मार्च के अंतिम सप्ताह तक मूल्यांकन प्रक्रिया पूरी करना है, ताकि जल्द नतीजे घोषित किए जा सकें। पिछले साल (2025) में बोर्ड ने दोनों कक्षाओं के नतीजे 6 मई को घोषित किए थे। मप्र बोर्ड में 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को प्रत्येक विषय में न्यूनतम 33 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है। यदि कोई विद्यार्थी एक या दो विषयों में न्यूनतम अंक प्राप्त नहीं करता है, तो उसे फेल माना जाएगा। ऐसे विद्यार्थियों के लिए जुलाई में द्वितीय मुख्य परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसके लिए जून में सभी स्कूलों में विशेष कक्षाएं लगाई जाएंगी ताकि दूसरी परीक्षा की तैयारी कराई जा सके।

चोइथराम ट्रस्ट में ट्रस्टी मोतियानी पर चलेगा केस

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के चोइथराम ट्रस्ट विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने सतीश मोतियानी की SLP खारिज की। अब ट्रस्टी नियुक्ति मामले में दिल्ली हाईकोर्ट में केस चलेगा। चर्चित और अरबों की संपत्ति वाले टी. चोइथराम फाउंडेशन ट्रस्ट को लेकर सुप्रीम कोर्ट का आदेश आया है। इसमें ट्रस्टी सतीश मोतियानी को झटका लगा है।

इंदौर के चर्चित ट्रस्ट टी.चोइथराम को लेकर अब सुप्रीम कोर्ट का आदेश आया है। दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ ट्रस्टी सतीश मोतियानी ने एसएलपी (स्पेशल लीव पिटीशन) लगाई थी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया है। इसका मतलब है कि उन्हें राहत नहीं मिली है और इसके साथ ही उनके खिलाफ मनमाने तरीके से ट्रस्टी बनाने को लेकर केस चलने का रास्ता साफ हो गया। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से लेखराज ठाकुरदास पगरानी समूह को बड़ी राहत मिली है।

मोतियानी के खिलाफ यह है आरोप : आरोप है कि सतीश मोतियानी ने अपने परिवार के सदस्यों को ट्रस्टी नियुक्त किया। साल 1992 से 2001 के बीच में उन्होंने नियमों को दरकिनार कर यह सदस्य बनाए। इसमें पत्नी कंचन मोतियानी, बेटे दुष्यंत मोतियानी, दिवंगत भाई जय मोतियानी, बेटी भावना मोतियानी और दामाद गौरव जगवानी को ट्रस्टी नियुक्त किया।

मोतियानी ने सुप्रीम कोर्ट से मांगी थी राहत : सुप्रीम कोर्ट ने सतीश मोतियानी और अन्य द्वारा दायर स्पेशल लीव पिटीशन (SLP) को खारिज कर दिया है। इसके साथ ही दिल्ली हाई कोर्ट के उस फैसले को बरकरार रखा गया है। मोतियानी ने ट्रस्ट द्वारा दायर मुकदमे को प्रारंभिक स्तर पर ही समाप्त करने की मांग की थी। यह मुकदमा टी. चोइथराम फाउंडेशन और उसके चार ट्रस्टियों लेखराज टी. पगरानी, किशोर टी. पगरानी, रमेश पी. ठनवानी और दयाल दतवानी द्वारा दायर किया गया था।

मोतियानी ने इससे पहले सिविल प्रक्रिया संहिता के ऑर्डर 7 रूल 11 के तहत आवेदन दायर कर मुकदमे को प्रारंभिक स्तर पर ही खारिज करने की मांग की थी। हालांकि दिल्ली हाई कोर्ट के सिंगल जज और बाद में डिवीजन बेंच दोनों ने इस आवेदन को खारिज करते हुए मुकदमे को आगे बढ़ाने की अनुमति दी। इसके बाद मोतियानी पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर कर हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि हाई कोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं है और मोतियानी पक्ष की याचिका खारिज कर दी। अब यह मामला आगे की सुनवाई के लिए दिल्ली हाई कोर्ट में चलेगा। उल्लेखनीय है कि टी. चोइथराम फाउंडेशन इंदौर में कई शिक्षण संस्थानों और स्कूलों का संचालन करता है।

लंबे समय से चल रहा विवाद

यह विवाद वर्ष 1971 में स्थापित सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट टी. चोइथराम फाउंडेशन से संबंधित है। वर्ष 2021 में ट्रस्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट में सिविल सूट दायर किया था। इसमें आरोप लगाया था कि 1992 से 2021 के बीच सतीश मोतियानी ने ट्रस्ट डीड के प्रावधानों के अनुरूप न होते हुए कुछ व्यक्तियों और अपने रिश्तेदारों को अवैध रूप से ट्रस्टी नियुक्त किया। यह भी कहा था कि ये लोग ट्रस्ट के प्रशासन और संपत्तियों में गैरकानूनी हस्तक्षेप कर रहे हैं।

शराब ठेके में बेंगलुरु की कंपनी की एंट्री, सबसे महंगे ग्रुप से सूरज रजक बाहर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर आबकारी ठेके के लिए ई-टेंडर खुलने शुरू हो गए हैं। इसमें बड़ा उलटफेर हुआ है और ठेकेदार सूरज रजक को झटका लगा है। वहीं बेंगलुरु की कंपनी की एंट्री हुई है। इंदौर जिले के दो हजार 102 करोड़ के लिए 56 दुकान ग्रुप के ठेके शुरू हो गए हैं। इसमें इस बार आबकारी विभाग को खासी सफलता मिलती दिख रही है।

अभी तक हुए ठेके में बेस प्राइस से भी अधिक कीमत मिली है। यह बेस प्राइस पहले ही 20 प्रतिशत अधिक बढ़ाकर तय की गई थी। वहीं अब तक सबसे बड़े ग्रुप का ठेका लेने वाले ठेकेदार सूरज रजक को झटका लगा है। उन्हें पीछे कर बेंगलुरु की कंपनी ने पहली बार इंदौर में एंट्री की है।

बेंगलुरु की कंपनी ने ली महंगी दुकान-इंदौर के सबसे महंगे ग्रुप इंदौर वन (स्कीम 54) की बेस प्राइस कीमत 134 करोड़ 95 लाख रुपए थी। इसी में सबसे महंगी शराब दुकान स्कीम 54 की 49 करोड़ 54 लाख रुपए थी। यह ग्रुप अभी तक सूरज रजक के पास था। वहीं, इस बार बेंगलुरु की केटालिस्ट ब्रेवरीज एलएलपी ने यह ठेका बेस प्राइस से भी अधिक

कीमत पर 154 करोड़ में उठा लिया है। इस ग्रुप में स्कीम 54 की दुकान के साथ ही स्कीम 78 की दुकान, लसूडिया गोदाम नंबर वन, लसूडिया मोरी की दुकान और निरंजनपुर की कुल पांच दुकानें शामिल हैं।

यहां भी बेंगलुरु कंपनी पहुंची-वहीं इस कंपनी ने इसके साथ ही अन्य प्रमुख ग्रुप एमआईजी (इंदौर चार) को भी लिया, जो 98 करोड़ के बेस प्राइस का था। उसे भी बेंगलुरु की कंपनी ने ले लिया है। यहां से भी शराब ठेकेदार सूरज रजक बाहर हो गए हैं। बेंगलुरु कंपनी ने इसे बेस प्राइस से अधिक पर 111 करोड़ में खरीदा है। इस ग्रुप में एमआईजी की 40 करोड़ की महंगी दुकान के साथ ही रामकृष्णबाग, भमोरी चौराहा की भी दुकान शामिल है।

किसकी है यह कंपनी-कंपनी बेंगलुरु में रजिस्टर है। इसके डायरेक्टर ऑन रिकॉर्ड अंशुराज सिंह चौहान और ओमप्रकाश परवानी हैं। हालांकि माना जा रहा है कि बाहर की कंपनी के पीछे इंदौर या मध्य प्रदेश का ही कोई बड़ा निवेशक भी होगा, तभी कंपनी इंदौर में आई है। वहीं, इस ग्रुप के बड़े ठेके को अधिक कीमत पर लेने से आबकारी विभाग को बड़ी राहत मिली है।

प्रशासन और आबकारी की योजना चली

मध्यप्रदेश के अन्य जिलों में जहां अभी ठेकों को लेकर अनिश्चितता है। कई लाइसेंसी सामने नहीं आए हैं। वहीं इंदौर के ठेके सरकार का खजाना भर रहे हैं। यहां बेस प्राइस की कीमत से भी अधिक पर ठेके जा रहे हैं। इसके पीछे कलेक्टर शिवम वर्मा और सहायक आबकारी आयुक्त अभिषेक तिवारी द्वारा ग्रुपिंग के लिए की गई सही योजना को माना जा रहा है। इस बार ग्रुप 56 किए गए और इसमें दुकान को इस तरह समायोजित किया गया कि अधिक बिक्री वाली दुकान के साथ कम बिक्री वाली दुकान भी रखी गई। इसके चलते 5 ग्रुप जो 452 करोड़ कीमत के थे वह 498 करोड़ में गए हैं। वहीं 6 ग्रुप जो 143 करोड़ में थे वह 149 करोड़ में गए हैं। इस तरह 647 करोड़ का राजस्व विभाग अभी तक प्राप्त कर चुका है। कुल लक्ष्य दो हजार 101 करोड़ है। अभी करीब दस दिन और ई-टेंडर प्रक्रिया चलेगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।